दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-115 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 12 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला; गृहणियों को राष्ट्र निर्माता बताया, मौत पर परिवार को मिलेगा मुआवजा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला देते हुए देशभर की गृहणियों को राष्ट्र निर्माता और राष्ट्र के साथ मानव के विकास में योगदान देने वाला बताया। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने कहा कि अगर सड़क दुर्घटना में किसी गृहणी की मौत हो जाती है तो उसका परिवार मुआवजे का हकदार है। कोर्ट ने कहा कि हादसे में परिवार के घरेलू देखभाल के नुकसान के लिए मुआवजे की राशि 30,000 प्रतिमाह होनी चाहिए।

पंजाब में 2001 में 2 जीप की टक्कर हुई थी, जिसमें रेशमा की मौत हुई थी। उनके पति और 3 बच्चों ने मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत मुआवजे का दावा किया। परिवार को मुआवजा मिला, लेकिन उसने अपर्याप्त बताकर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का रुख किया। हई कोर्ट ने 2024 में परिवार को 8 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया। परिवार इसे भी कम बताते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जिस पर गुरुवार को फैसला आया है।पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि गृहिणी इंसान और राष्ट्र विकास में योगदान देती है। इस योगदान का मौद्रिक मूल्यांकन कैसे हो? हमने सिद्धांत निर्धारित कर राष्ट्र निर्माता के रूप में, घरेलू देखभाल से होने वाली मासिक आय के नुकसान की राशि 30,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित की है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी को मोटर दुर्घटना मुआवजा मिलता है तो उसे प्रणय सेठी फैसले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित हर्जाने के अलावा घरेलू देखभाल का नुकसान भी मिलेगा।कोर्ट ने कहा कि प्रणय सेठी मामले में निर्धारित आधारों के अतिरिक्त घरेलू देखभाल का नुकसान एक अतिरिक्त आधार होगा और हम विश्वास जताते हैं कि अब गृहणी को राष्ट्र निर्माता का दर्जा प्राप्त होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को मोटर दुर्घटना से जुड़े मुआवजा दावों की निगरानी करने को कहा है और परिवार को न्याय मिलने में देरी पर चिंता जताते हुए मामलों को जल्द से जल्द निपटाने को कहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में सहभागिता की

ओमान के पास तेल टैंकर पर अमेरिकी हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत

नई दिल्ली(आरएनएस)। पलाऊ के झंडे वाले वाणिज्यिक पोत 'सेटेबेलो' पर सवार तीन भारतीय नाविक, जो पहले ओमान तट के पास अमेरिकी सेना के हमले के बाद लापता बताए गए थे, अब उनकी मौत की पुष्टि हो गई है. इस बारे में केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को जानकारी दी.उन्होंने कहा कि शहीद चालक दल के सदस्यों के शवों को उनके अंतिम संस्कार के लिए वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं. पलाऊ के झंडे वाले वाणिज्यिक पोत सेटेबेलो पर हुई दुखद घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ. सोनोवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दुख की बात है कि शुरू में लापता बताए गए तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो गई है, उनके शव मिल गए हैं और उनकी पहचान हो गई है.तेल जहाज पर हमले के बाद शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जहाज से 21 भारतीय नाविकों को बचा लिया गया, जबकि तीन नाविक - डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर परिमाला सुरेश लापता बताए गए थे.केंद्रीय मंत्री ने पलाऊ के झंडे वाले पोत सेटेबेलो पर हुई दुखद घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि सरकार इस मुश्किल समय में दुखी परिवारों के साथ खड़ी है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इस मुश्किल समय में दुखी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और परिजनों की मदद करने के लिए पूरी तरह से तैयार है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बचाए गए क्रू मेंबर्स के पार्थिव शरीर को उनके अंतिम संस्कार के लिए जल्दी वापस भेजा जाए.

घुसपैठ पर बड़ा प्रहार: भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बनाई जाएंगी एंटी-ड्रोन दीवारें, गृह मंत्रालय का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसके तहत सरहद पार से नशीले पदार्थों और हथियारों व गोला-बारूद की ड्रोन के जरिए तस्करी पर नकेल कसने की तैयारी है। इसके लिए स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी ग्रिड की व्यवस्था लाने की घोषणा की गई है। इसमें एक एंटी-ड्रोन शील्ड भी शामिल की जाएगी। बता दें कि ISI और ड्रग तस्कर सरहदी इलाकों, खासकर पंजाब में ड्रोन्स के जरिए हथियार और ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं, जिसके चलते राज्य में नशे का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है

इसके अलावा बॉर्डर पर अमित शाह द्वारा लॉन्च किया गया लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) को भी शामिल किया जाएगा। सरहद की सुरक्षा और निगरानी को बेहतर बनाने के लिए सेंसर और स्मार्ट फेंसिंग की व्यवस्था होगी। लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम एक ऐसा इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म है जो सभी लैंड पोर्ट्स पर कार्गो प्रोसेसिंग और यात्रियों की आवाजाही के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल वर्कफ्लो को मुमकिन बनाएगा।

एलपीएमएस को लॉन्च करते हुए अमित शाह ने कहा कि एलपीएमएस सिस्टम, जो हर स्टेकहोल्डर और डेटा सिस्टम को साथ लेकर चलता है, आने वाले दिनों में परिकल्पित स्मार्ट सिक्योरिटी ग्रिड का एक अहम हिस्सा बन जाएगा और आर्थिक व भौतिक सुरक्षा, दोनों को सुनिश्चित करने में मदद करेगा

बिरयानी में निकला कनखजूरा, कंज्यूमर कोर्ट ने 1.05 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया

चेन्नई(आरएनएस)। तमिलनाडु के चेन्नई में एक डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कोर्ट ने एक पॉपुलर बिरयानी आउटलेट को एक कस्टमर को 1.05 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है. पेश मामले में बिरयानी में मरा हुआ कनखजूरा मिलने के बाद उपभोक्ता ने मानसिक परेशानी पहुंचने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था.

चेन्नई के एरुक्कनचेरी के रहने वाले अहमद सिद्दीकी (45) की शादी पिछले साल हुई थी. 28 दिसंबर को शादी के बाद की रस्म के लिए अन्ना सलाई के पास एलिस रोड पर अपनी पत्नी के घर जाते समय उन्होंने रिश्तेदारों को परोसने के लिए पेरम्बूर में फेमस रेस्टोरेंट चेन से 3500 रुपये का मटन बिरयानी का एक बाल्टी खरीदा.रिश्तेदारों के बीच उत्साह से बिरयानी परोसा गया लेकिन जब खाना शुरू किया तो इसमें मरा हुआ कनखजूरा देखा गया. इसे देखकर परिवार के लोग हैरान रह गये. अहमद सिद्दीकी ने आउटलेट के मैनेजमेंट से इसकी शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया. अहमद सिद्दीकी ने इससे ठगा हुआ महसूस किया. फिर उन्होंने चेन्नई नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन में एक फॉर्मल शिकायत दर्ज की.

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद किया, रोजमर्रा की कई चीजें होंगी महंगी

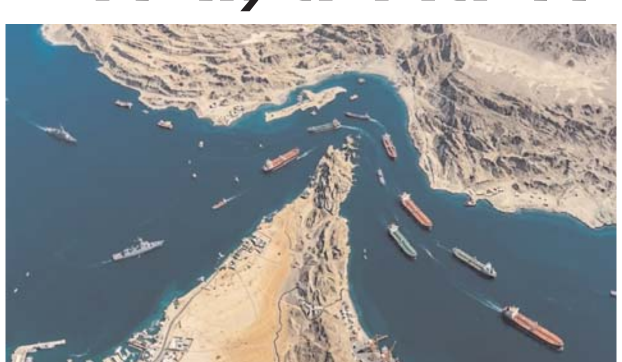

नईदिल्ली(आरएनएस)। ईरान और अमेरिका युद्धविराम की नजदीक पहुंचते-पहुंचते एक बार फिर संघर्ष में उलझ गए हैं। बीते 2 दिन से दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए हैं। आज हुए हमलों के बाद ईरान ने कहा है कि वो होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह बंद कर रहा है। इसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आइए जानते हैं रोजमर्रा की क्या-क्या चीजें महंगी हो सकती है।

भारत अपनी जरूरत की कुल रसोई गैस का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसकी ज्यादातर आपूर्ति खाड़ी देशों से होती है और होर्मुज बंद रहने का मतलब आपूर्ति में व्यवधान। इससे रसोई गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। युद्ध के बीच पहले से ही गैस महंगी हो रही है। बीते 3 महीने में 2 बार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ चुकी है। 7 जून को कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी।गैस की तरह भारत अपनी कुल जरूरत का करीब 85 प्रतिशत पेट्रोल-डीजल आयात करता है। होर्मुज बंद होने से इसका आयात प्रभावित हुआ है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास या उससे ऊपर ही बनी हुई है। इससे तेल विपणन कंपनियों और सरकार पर दबाव बढ़ेगा। 15 मई से अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम में करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कीमतें 2022 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं।दरअसल, पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से परिवहन महंगा हो जाता है। इससे लगभग सभी वस्तुओं की कीमत पर असर पड़ता है, क्योंकि परिवहन लागत बढ़ जाती है। यानी सब्जियां, फल, दूध और अन्य आवश्यक वस्तुएं महंगी हो सकती हैं।डिटर्जेंट, क्लीनर और पर्सनल केयर उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले कई तत्व पेट्रोकेमिकल कच्चे माल से प्राप्त होते हैं। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आमतौर पर इन उत्पादों की विनिर्माण लागत बढ़ जाती है।

मध्य प्रदेश-राजस्थान के राज्यसभा चुनाव परिणाम घोषित, भाजपा 5 और कांग्रेस एक सीट निर्विरोध जीती

नईदिल्ली ,(आरएनएस)। चुनाव आयोग और भाजपा पर मिलीभगत के आरोप के बीच गुरुवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान में राज्यसभा चुनाव का परिणाम घोषित कर दिया गया है। राज्यों में 18 जून को मतदान होना था, लेकिन किसी प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के न उतरने पर आयोग ने दोनों राज्यों में भाजपा के 5 और कांग्रेस के एक उम्मीदवार को निर्विरोध विजय घोषित किया है। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सीट और राजस्थान में 3 सीट के लिए मुकाबला होना था।राजस्थान में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, राजेंद्र सिंह गहलोत और नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसे में यहां 3 सीटों पर चुनाव हुए थे। भाजपा के पास 2 सीट, जबकि कांग्रेस के पास एक सीट जीतने के लिए संख्या बल था। ऐसे में यहां कोई क्रॉस वोटिंग और तीखा विवाद नहीं दिखा। भाजपा की ओर से सतीश पुनिया और अलका गुर्जर निर्विरोध जीते हैं। कांग्रेस ने नीरज डांगी को दोबारा सांसद बनाया है।मध्य प्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद भाजपा के तीनों उम्मीदवार निर्विरोध विजय घोषित हो गए, जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

बांग्लादेश ने घुसपैठियों को लेने से किया इनकार, सीमा पर बवाल

घुसपैठियों को भगाने पर दोनों तरफ से हुआ पथराव

नई दिल्ली(ए.)। पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय से लगती भारत और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बुधवार को अचानक भारी बवाल और घमासान शुरू हो गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा कथित रूप से एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को वापस भेजने (पुशबैक) की कूटनीतिक और सुरक्षात्मक कार्रवाई के बाद दोनों देशों की संवेदनशील सीमा पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद दोनों ओर से भीषण पथराव की घटनाएं सामने आई हैं। यह पूरी घटना मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स जिले के महेंद्रगंज क्षेत्र में स्थित नंदिर चार सीमा इलाके की बताई जा रही है। इस घटना के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव चरम पर पहुंच गया है, जिसे नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त जवानों को मुस्तैद किया गया है।स्थानीय सूत्रों और सीमावर्ती सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति ने कथित तौर पर अवैध रूप से सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मुस्तैदी दिखाते हुए उसे हिरासत में लिया गया।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने विधायक हस्ताक्षर जालसाजी मामले में अभिषेक बनर्जी को दी अंतरिम राहत

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी को विधायकों के हस्ताक्षर जालसाजी मामले में अंतरिम राहत दी है। न्यायमूर्ति कौसिक चंदा ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक को गिरफ्तारी से 3 सप्ताह की अंतरिम सुरक्षा प्रदान करते हुए जांच में सहयोग का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सांसद को दिल्ली से लौटने के बाद जांच एजेंसी के सामने पेश होने को कहा है।

कोर्ट का कहना है कि दस्तावेज प्राप्त करने के लिए जांच एजेंसी कानून के अनुसार तलाशी और जब्ती करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन एजेंसी 3 सप्ताह तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर आगे पूछताछ की आवश्यकता होगी तो एजेंसी को 24 घंटे का नोटिस देना होगा और याचिकाकर्ता को एजेंसी के साथ सहयोग करना होगा। कोर्ट ने एजेंसी को याचिकाकर्ता से पूछताछ करने के लिए स्वतंत्र दी है।टीएमसी ने चुनाव के बाद शोवनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता देने के लिए विधानसभा स्पीकर को एक पत्र लिखा था, जिसमें सभी विधायकों के हस्ताक्षर थे। टीएमसी के 2 विधायकों ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा ने प्रस्ताव को मनगढ़ंत और झूठा बताया और 70 हस्ताक्षरों में से 14 पर आपत्ति जताई। आरोपों के चलते पुलिस में मामला दर्ज किया गया और अपराध जांच विभाग (सीआईडी) जांच कर रही है।

किसान...बेरोजगारी और महंगाई, कांग्रेस का भाजपा सरकार के खिलाफ राष्ट्रीय अभियान शुरू करने का ऐलान

नई दिल्ली(आरएनएस)। कांग्रेस ने गुरुवार को किसानों समेत कई मुद्दों पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ एक राष्ट्रीय अभियान शुरू करने का ऐलान किया. कांग्रेस ने कहा कि अभियान का कार्यक्रम 28 जून को घोषित किया जा सकता है और यह तीन महीने तक चलेगा.यह फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता मौजूद रहे. इस बैठक में कांग्रेस महासचिव, इंचार्ज और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी शामिल हुए.

मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के सीनियर नेता जयराम रमेश के साथ कहा कि, गुरुवार को महासचिव, इंचार्ज और पीसीसी अध्यक्ष की तीन घंटे लंबी बैठक हुई. बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात, खासकर आर्थिक संकट पर चर्चा हुई.

जनता से जुड़े अलग-अलग मुद्दों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतें दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही हैं. लोग बहुत परेशान हैं, लेकिन सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया है. बेरोजगारी अपने चरम पर है. पूरा एमएसएमई सेक्टर पूरी तरह से बर्बाद हो गया है. युवा अपने भविष्य को लेकर बहुत परेशान हैं. कोई रोजगार नहीं है.देश की शिक्षा प्रणाली का जिक्र करते हुए, केसी वेणुगोपाल ने कहा कि, नीट और सीबीएसई परीक्षा के मुद्दों की वजह से छात्र बहुत ही खतरनाक स्थिति में हैं. सरकार इनमें से किसी भी मुद्दे के लिए कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं ले रही है. हमें कब तक शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगना पड़ेगा.सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि देश में हालात इतने खतरनाक हैं कि एक तरफ लोकतंत्र नहीं है और दूसरी तरफ आम लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं. यह बताते हुए कि पार्टी पूरे देश में एक राष्टीय अभियान शुरू करने जा रही है, वेणुगोपाल ने कहा कि यह सिर्फ राष्टीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर भी होगा।

कांग्रेस ने टीएमसी के विलय की खबरों को खारिज किया, कहा- ये केवल निराधार अफवाहें

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ संभावित विलय की अटकलों को खारिज करते हुए ऐसी खबरों को निराधार अफवाहें बताया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ हाल ही में हुई बैठक के दौरान हुई चर्चाएं राष्ट्रीय मुद्दों तक ही सीमित थीं और इसमें दोनों पार्टियों के विलय पर कोई बातचीत शामिल नहीं थी।वेणुगोपाल ने टीएमसी और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बीच हाल ही में हुई बैठकों को इंडिया गठबंधन की चर्चा के हिस्से के रूप में नियमित बातचीत बताया। विलय की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं अफवाहों और अटकलों का जवाब कैसे दे सकता हूं? बैठक केवल राष्ट्रीय मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से उठाने पर चर्चा के लिए थी। उन्होंने आगे कहा, निश्चित रूप से हम लोकतंत्र विरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ मिलकर काम करेंगे।टीएमसी ने विलय की संभावना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि पार्टी के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्होंने कहा कि यह देखना बाकी है कि यह सहयोग गठबंधन का रूप लेगा या विलय का। पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख सुभंकर सरकार ने विलय की संभावना पर कहा, राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसलिए, कल कुछ भी हो सकता है।

मध्यप्रदेश पुलिस की बड़ी सफलता : विगत एक माह में 1 हजार 136 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल बरामद

लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति नागरिकों को लौटाई साइबर तकनीक एवं CEIR पोर्टल की मदद से मिली सफलता

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश पुलिस ने देशभक्ति जनसेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए आधुनिक तकनीक, साइबर विशेषज्ञता, सीईआईआर पोर्टल, साइबर हेल्प डेस्क तथा जिला पुलिस बलों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत एक माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 1 हजार 136 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए हैं। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपये है। पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जानकारी दी गई कि क्राइम ब्रांच इंदौर ने सिटीजन कॉप एप्लीकेशन एवं सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से 230 गुम मोबाइल फोन खोजकर नागरिकों को लौटाए। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त भंवरकुआं थाना पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण एवं सतत प्रयासों से 13 मोबाइल फोन कीमत 3 लाख 60 हजार तथा विजय नगर थाना पुलिस ने मोबाइल दुकान में हुई लाखों रुपये की चोरी का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 17 मोबाइल फोन, नगदी, मोबाइल एसेसरीज एवं अन्य सामग्री सहित लगभग 13 लाख रुपये का की संपत्ति जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस प्रकार तीनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 260 मोबाइल फोन सहित लगभग 66 लाख 60 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। दमोह पुलिस द्वारा चलाए गए गुम मोबाइल खोज अभियान के अंतर्गत 208 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया गया। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 41 लाख 60 हजार रुपये है। शिवपुरी जिले में तकनीकी विश्लेषण एवं सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से पुलिस ने 120 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया। बरामद मोबाइल फोन की कुल कीमत लगभग 30 लाख रुपये है।खण्डवा पुलिस ने ऑपरेशन सहयोग के तहत दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से 151 गुम मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किए। इन मोबाइल फोन की कीमत लगभग 22 लाख 84 हजार रूपये से अधिक है। भोपाल जीआरपी ने ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन सहित 4 लाख 82 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं थाना हनुमानगंज पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 50 गुम मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए, जिनकी कीमत लगभग 12 लाख रुपये है। दोनों कार्रवाइयों में कुल 60 मोबाइल फोन सहित लगभग 16 लाख 82 हजार मूल्य की संपत्ति बरामद की गई। अशोकनगर जिले में साइबर सेल के विशेष प्रयासों से 120 गुम मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 13 लाख 20 हजार रुपये है। धार जिला साइबर शाखा एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए लगभग 12 लाख रुपये से अधिक के 124 गुम मोबाइल फोन बरामद किए है। छतरपुर पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के अंतर्गत लवकुशनगर एवं बड़ामलहरा अनुभागों में कार्रवाई करते हुए 48 गुम मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन मोबाइल फोन की कीमत लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये है। मोबाइल प्राप्त करने वालों में छात्र-छात्राएं, किसान, मजदूर एवं गृहणियां शामिल रहीं।अनूपपुर पुलिस ने थाना कोतमा एवं बिजुरी क्षेत्र से गुम हुए 22 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया।

इंदौर के डायल-112 हीरोज

घर की राह भटकी 4 वर्षीय बालिका को सुरक्षित परिजन से मिलाया

भोपाल (ए.)। इंदौर जिले के थाना चन्दन नगर क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं तत्पर कार्यवाही से घर का रास्ता भटकी 04 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय रहते की गई सहायता से बालिका सकुशल अपने परिवार तक पहुँच सकी। 10 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना चन्दन नगर क्षेत्र अंतर्गत राजनगर स्थित सांवरिया टेंट हाउस के पास एक छोटी बच्ची अकेली मिली है, जो घर का रास्ता भटक गई है तथा पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल चन्दन नगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। स्टाफ आरक्षक विपिन रघुवंशी, आरक्षक अनिल एवं पायलट पंकज पांडे ने मौके पर पहुँचकर बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। डायल-112 जवानों ने बच्ची से उसके परिजनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया, किन्तु कम आयु होने के कारण वह अपने परिवार के संबंध में कोई जानकारी नहीं दे पा रही थी।इसके बाद डायल-112 टीम ने बच्ची को सुरक्षित एफआरव्ही वाहन में साथ लेकर आसपास क्षेत्र में परिजनों की तलाश एवं पूछताछ प्रारंभ की। तलाश के दौरान बच्ची के परिजन उसे खोजते हुए मिले।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए 6, 7 और 8 जुलाई को होगा प्रशिक्षण

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उच्चतम न्यायालय के 25 जुलाई 2025 के महत्वपूर्ण निर्णय के पैरा 35 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों, शैक्षणिक सहायकों, अधिकारियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 6, 7 एवं 8 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले इस प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रत्येक कर्मचारी को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, जिससे किसी भी विद्यार्थी में मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों की समय रहते पहचान कर उसे उचित परामर्श, सहायता एवं विशेषज्ञ उपचार की दिशा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 का परिणाम 12 जून को

- विद्यार्थी मंडल की वेबसाइट पर देख सकेंगे अपना रिजल्ट, शाम 4 बजे जारी होगा परीक्षा परिणाम

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा।मण्डल द्वारा गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकेंगे। विद्यार्थियों को अपना स्कोरकार्ड चेक करने के लिए पोर्टल पर अपना रोल नंबर और आवेदन संख्या दर्ज करनी होगी।दरअसल, माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा छात्रों से बेहतर प्रदर्शन निकलवाने के लिए दो बार बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन करवाया जाता है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आजीविका मिशन की भूमिका महत्वपूर्ण : संभागायुक्त श्री सिंह

भोपाल,(निप्र.)। संभाग आयुक्त भोपाल संजीव सिंह ने गुरुवार को बैरसिया अनुभाग का व्यापक भ्रमण कर महिला सशक्तिकरण, खेत तालाब, गौशाला, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत महिलाओं द्वारा किए जा रहे नवाचारों और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने स्व सहायता समूह की दीदियों से संवाद कर उनके द्वारा किए जा रहे अलग-अलग उद्यमों की जानकारी ली। चिलचिलाती गांवों में संभागायुक्त ने गांवों का भ्रमण कर शासन की विभिन्न योजनाओं की मैदानी प्रगति का जायजा लिया। भ्रमण की शुरुआत गोलखेड़ी के जरी-जरदोजी प्रशिक्षण केंद्र से हुई।

सांदीपनि विद्यालय, जीरापुर उत्कृष्ट शिक्षा और नवाचार से खड़ी की सफलता की इमारत

भोपाल,(निप्र.)। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है कि राजगढ़ जिले के जीरापुर स्थित सांदीपनि विद्यालय आज प्रदेश के अग्रणी शासकीय विद्यालयों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। मॉडल स्कूल के रूप में प्रारंभ हुई यह संस्था आज उत्कृष्टता और नवाचार की प्रेरक मिसाल बन गई है। वर्ष 2011 में स्थापित विद्यालय को वर्ष 2022 में सीएम राइज विद्यालय के रूप में विकसित किया गया। आधुनिक अधोसंरचना, स्मार्ट कक्षाएं, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था ने विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 में प्रवेश हेतु उपलब्ध 235

सीटों के लिए लगभग 5230 आवेदन प्राप्त हुए। पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसने विद्यालय की प्रतिष्ठा को और अधिक मजबूत किया।विद्यालय में जहां पूर्व में लगभग 260 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, वहीं वर्तमान में छात्र संख्या बढ़कर 736 तक पहुंच गई है। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या के साथ-साथ शैक्षणिक उपलब्धियों में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 95.30 प्रतिशत तथा कक्षा 10वीं का परिणाम 92.20 प्रतिशत रहा। वहीं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में विद्यालय के 39 विद्यार्थियों में से 21 विद्यार्थियों का चयन हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल, विज्ञान, गणित, ओलम्पियाड एवं अन्य प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला एवं प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।विद्यालय की उपलब्धियों को देखते हुए प्राचार्य एवं शिक्षकों को सिंगापुर में आयोजित शैक्षिक गुणवत्ता सुधार अध्ययन यात्रा में सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान प्राप्त अनुभवों और नवाचारों को विद्यालय में लागू कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाया गया।

भगवान बुद्ध के करुणा, शांति और वैश्विक बंधुत्व के संदेश को विश्वभर में आगे बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री श्री मोदी : मंत्री श्री परमार

भोपाल,(निप्र.)। भगवान गौतम बुद्ध के परम शिष्यों श्री सारिपुत्र एवं श्री महामोद्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेष मंगोलिया के दस दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास के उपरांत गुरुवार को भोपाल स्थित राजा भोज विमानतल पहुंचे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा श्रद्धा, सम्मान एवं गरिमा के साथ स्वागत समारोह आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं एवं गणमान्य अतिथियों ने पुष्पवर्षा कर पवित्र अवशेषों का आत्मीय अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी, साँची के पूज्य बान गल उप तिस्स नायक थेरो एवं बान गल विमल तिस्स थेरो, संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव तथा मंगोलिया प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा प्रदत्त शांति, करुणा और मानव कल्याण का संदेश आज भी विश्व को दिशा प्रदान कर रहा है।

भोपाल को सिलेंडर फ्री बनाने का प्लान

4 बड़ी कॉलोनी में 100% PNG कनेक्शन देने पर फोकस; चार इमली को भी जोड़ा

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश में पिछले 3 महीने से LPG संकट चल रहा है। भोपाल में भी यह संकट बरकरार है। कई एजेंसियों पर सिलेंडर की बुकिंग को लेकर लोग परेशान हैं। बुधवार को ही एक एजेंसी पर हंगामा हुआ। ऐसे में अब खाद्य विभाग भोपाल को सिलेंडर फ्री बनाने की कवायद में जुट गया है। जिन इलाकों में PNG (पाइप्ड नेचुरल गैस) लाइन बिछ चुकी है, उन्हें अब सिलेंडर नहीं दिए जाएंगे। इसे लेकर प्लान भी तैयार किया गया है। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि भोपाल में थिंक गैस के जरिए पीएनजी कनेक्शन दिए जा रहे हैं। ये लाइन मिसरोद से शुरू हुई है और होशंगाबाद रोड के दोनों ओर की कॉलोनियों को कवर किया गया है। बावड़ियाकलां, सलैया, अयोध्या बायपास, अवधपुरी, साकेत नगर के अधिकांश घरों में कनेक्शन हो चुके हैं। वहीं, चार इमली में भी काम चल रहा है। अब तय किया है कि जिन क्षेत्रों में लाइन बिछ रही है, वहां 100 प्रतिशत कनेक्शन देने के बाद आगे की कॉलोनी में काम शुरू किया जाए। इसलिए 4 बड़ी कॉलोनियों को लिस्टेड किया है। इनमें बावड़ियाकलां स्थित केराल केनसिप, अवधपुरी स्थित सौम्या पार्कलैंड, अयोध्या बायपास स्थित सागर लैक व्यू होम्स और सलैया स्थित आकृति ग्रीन शामिल हैं। फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया कि थिंक गैस कंपनी ने होशंगाबाद रोड के दोनों ओर समेत कुल172 कॉलोनियों में

गैस लाइन बिछाई है। यहां लोगों के अप्लाई करने के बाद कनेक्शन दिए जा रहे हैं। कटारा समेत कई कॉलोनियों से लोग आवेदन करने भी लगे हैं।दूसरी ओर, तय किया है कि चार-चार कॉलोनियों पर फोकस किया जाए। यहां पर 100 प्रतिशत कनेक्शन देने के बाद अगली चार कॉलोनियां लिस्टेड करेंगे। ताकि, काम जल्दी हो सके। निर्धारित अवधि के बाद एलपीजी कनेक्शन बंद कर दिए जाएंगे।भोपाल के दो सबसे बड़े पॉश इलाके चार इमली और 74 बंगला में गैस की भूमिगत लाइन बिछ रही है। ये दोनों इलाके एमपी के सबसे वीआईपी है। यही पर 75 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री, सीनियर आईएएस और आईपीएस के बंगले हैं। अधिकांश हिस्से में लाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है। कुछ दिन बाद बंगलों पर कनेक्शन दिए जाने शुरू होंगे।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद ईंधन संकट आ गया। एमपी में भी तीन-चार महीने से घरेलू गैस की किल्लत है। शुरुआती दिनों में आम से लेकर खास तक गैस की किल्लत से जूझते हुए नजर आए। भोपाल में भी आपूर्ति कम और खपत ज्यादा रही। हर रोज 12 से 14 हजार सिलेंडर तक बुकिंग हुई, जबकि सप्लाई 9-10 हजार ही रही।संकट के बीच ही कई मंत्री और अफसरों के यहां भी सिलेंडर कमी हो गई। इस संकट के बाद अब वीआईपी इलाकों में भी गैस की लाइन बिछाने का आइडिया आया है। चार इमली और 74 बंगला में काम की शुरुआत होने के बाद उन क्षेत्रों पर फोकस किया जा रहा है, जिनके पास से पाइप लाइन गुजरी हो।पीएनजी के लिए थिंक गैस कंपनी ने होशंगाबाद रोड पर भूमिगत लाइन बिछाई है। इसके जरिए आसपास की कॉलोनियों के घरों में गैस कनेक्शन दिए गए हैं। इनकी संख्या करीब 43 हजार है। अफसरों का कहना है कि भविष्य में पुराने शहर की ओर भी काम शुरू होगा।

मप्रः राज्य महिला आयोग की टीम ने किया भोपाल सेन्ट्रल जेल का निरीक्षण, ट्विशा की सास से भी की मुलाकात

महिला बंदियों के पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता : रेखा यादव

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की टीम ने गुरुवार को भोपाल सेंट्रल जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने ट्विशा शर्मा की सास और सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह से मुलाकात की। जेल में गिरिबाला सिंह देवदत्त पटनायक की किताब द प्रेग्नेंट किंग पढ़ रही थीं। टीम को देखते ही उन्होंने किताब बंद कर दी।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने उनसे भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। गिरिबाला सिंह ने किसी तरह की शिकायत नहीं की और कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं है, सब ठीक है। रेखा यादव ने बताया कि मुलाकात के दौरान गिरिबाला सिंह शांत रहीं। आयोग को ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि उन्हें जेल में कोई विशेष सुविधा दी जा रही हो।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव एवं सदस्य साधना स्थापक ने केन्द्रीय जेल के निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। आयोग की टीम ने महिला वार्ड, अस्पताल, रसोईघर, पुस्तकालय, आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर और ब्यूटी पार्लर का निरीक्षण किया।इस अवसर पर महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि सुधारगृह केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास और पुनर्वास का केंद्र होना चाहिए। महिला बंदियों को सम्मानजनक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक महिला को उसके अधिकारों, सम्मान और न्याय तक पहुंच प्राप्त हो।निरीक्षण के दौरान आयोग की टीम ने महिला वार्ड, चिकित्सालय, रसोईघर, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कक्ष, आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर तथा ब्यूटी पार्लर का अवलोकन किया। सांस्कृतिक कक्ष में महिला बंदियों द्वारा संचालित ऑर्केस्ट्रा दल ने भजन प्रस्तुत किए, जिसकी आयोग की अध्यक्ष एवं सदस्य ने सराहना करते हुए इसे सकारात्मक मानसिक विकास और सामाजिक पुनर्स्थापन की दिशा में प्रभावी पहल बताया।महिला बंदियों से संवाद के दौरान उनकी दिनचर्या, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों और पुनर्वास गतिविधियों से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बंदियों द्वारा आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर में तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन भी किया गया।

नशा मुक्ति अभियान में बड़ी कार्रवाई, 1.26 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार, कई मामलों का है आरोपी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टीला जमालपुरा थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 1.267 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत गुरुवार को टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरिजन बस्ती स्थित पानी की टंकी के पास एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में गांजा लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान शाहिद खान (47) निवासी करीम बक्स कॉलोनी, भोपाल के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद ग्रे रंग के बैग से गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी से मादक पदार्थ रखने संबंधी वैध दस्तावेज और अनुमति पत्र मांगे, लेकिन वह कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

वर्ल्ड चैंपियनशिप्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे मध्यप्रदेश के अजय अहिरवार

वर्ल्ड स्किल्स कंपीटिशन, सितंबर 2026 में शंघाई, चीन मे होंगे शामिल ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026, ऑस्ट्रेलिया के लिए भी हुए चयनित

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश के युवा प्रतिभागी अजय अहिरवार ने इंडिया स्किल्स नेशनल कंपीटिशन 2025- 26 में ब्रिक लेइंग स्किल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन भारत की ओर से वर्ल्ड स्किल्स कंपीटिशन 2026 के लिए हुआ है, यह कंपीटिशन सितंबर 2026 में शंघाई, चीन में आयोजित होगी।ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन 23 से 29 जून 2026 तक ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। प्रतियोगिता में वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में अजय अहिरवार कानपुर में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।अजय की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। सीमित संसाधनों के बीच अपनी मेहनत, लगन और कौशल के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मंच तक अपनी पहचान बनाई है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि सही प्रशिक्षण, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के माध्यम से युवा वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।अजय की उपलब्धियों और उनकी तैयारी को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे वे आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। मध्यप्रदेश में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश के युवाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के रूप में सामने आ रहे हैं।

सिंहस्थ के कार्यों में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं

संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत निमाणधीन सड़कों की क्वालिटी की जांच कराई

उज्जैन(ए.)। सिहंस्थ महापर्व 2028 के विश्व स्तरीय आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विकास कार्यों के साथ नवीन सड़क निर्माण, मार्ग चौड़ीकरण कार्य और ब्रिज का निर्माण के कार्य प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि सभी तरह के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासनिक अधिकारी सिंहस्थ के प्रचलित कार्यो की प्रगति देखने के साथ ही गुणवत्ता को लेकर सतत मॉनिटरिंग कर रहे है। गुरूवार को नियमित निरीक्षण के तहत संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सड़क निर्माण कार्य में उपयोग की गई निर्माण सामग्री का गुणवत्ता परीक्षण कराया।

गुरुवार को सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मध्य

प्रदेश लोक निर्माण विभाग की केंद्रीय परीक्षण प्रयोगशाला की टीम के साथ नानाखेड़ा चौराहा पर निर्माणाधीन सिक्स लेन सड़क निर्माण कायज् और लालपुल से भूखी माता होकर मुरलीपुरा बड़नगर रोड़ तक निर्माणाधीन सिक्स लेन सड़क निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री की मानक स्तर पर गुणवत्ता की जांच कराई।संभागायुक्त श्री सिंह की उपस्थिति में अधिकारियों ने सड़क निर्माण एक हिस्से से खोदकर निर्माण सामग्री निकालने के बाद इसका परीक्षण प्रयोगशाला में विभिन्न स्तरों पर कराया गया। प्रयोगशाला में निर्माण सामग्री के परीक्षण के बाद मूल्यांकन का मानक स्तर रजिस्टर में दर्ज किया गया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने क्वालिटी परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण कर विभिन्न परीक्षण में उपयोग होने वाली मशीनों की जानकारी भी ली। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ महापर्व के लिए निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण, सड़क निर्माण, मार्ग चौड़ीकरण कार्य, शिप्रा नदी पर घाट निर्माण सहित अन्य प्रचलित विकास कार्यों में निर्माण सामग्री के उपयोग के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की नियमित मॉनीटरिंग करने वाले अधिकारी सामग्री की प्रयोगशाला में जांच कराने के साथ ही जांच रिपोर्ट भी प्रतिदिन की तैयार रखें। संभाग आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत प्रचलित निमाज्ण कार्यो में क्वालिटी से किसी तरह का कोई समझौता नही होगा।

मानवसेवा कार्यक्रम आयोजित कर निराश्रित सेवा आश्रम को भेंट की सामग्री

इन्दौर (ए.)। निराश्रित सेवा आश्रम पितृ पर्वत पर सुप्रीम ग्रुप द्वारा एक भावनात्मक मानवसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतीय फेडरेशन के स्थापना दिवस अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के बारे में मनोज डंक ने बताया मानवसेवा के तहत आश्रम में भोजन टेबल, पलंग, वॉकर, व्हीलचेयर, पेड पैकेट, भोजन सामग्री एवं बुजुर्गों के लिए 50 कुर्सियों सहित 1 लाख रुपए की सामग्री भेंट की गई। वहीं ग्रुप द्वारा अन्य आवश्यक सामग्री भी भेंट करने की बात कही। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश भटेवरा ने सेवा कार्यों के महत्व पर प्रकाश डाला और हर तीन माह में मानवसेवा करने का लक्ष्य रखा। कमलेश कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मानवसेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताया।

सिंहस्थ-2028 के कार्यों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

उज्जैन(ए.)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप शिवा द्वारा स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। झालरिया मठ क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विगत 10 दिनों में निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इस पर संबंधित निर्माण एजेंसी पर 50 हजार रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सहायक यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा संबंधित उपयंत्री के तीन दिवस के वेतन की कटौती करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान भारत माता मंदिर से चौबीस खंभा मार्ग तक निर्माणाधीन सड़क कार्य की भी समीक्षा की गई। 24 मीटर चौड़ाई एवं 360 मीटर लंबाई के इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण कार्य में भी अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसी पर 74 हजार रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रात्रिकालीन निरीक्षण कर अवैध रेत परिवहन रोकने के दिए सख्त निर्देश

मुरैना (ए.)। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने जिला खनिज अधिकारी श्री सुखदेव निर्मल सहित राजघाट

क्षेत्र एवं चंबल नदी के विभिन्न संवेदनशील स्थलों का रात्रिकालीन निरीक्षण किया। यह निरीक्षण रात्रि 9:30 बजे से प्रात: 2:20 बजे तक लगातार किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने चंबल नदी के राजघाट, अलाहबेली चौकी, गड़ोरा घाट, सरायचौला का पुरा, कुल्हाड़ा, वन चौकी, परिवहन विभाग की चेक पोस्ट तथा आरटीओ (परिवहन) चेक पोस्ट सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर मौके की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने विशेष रूप से आरटीओ चेक पोस्ट का निरीक्षण कर वहां तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों से वाहन जांच, ओवरलोडिंग नियंत्रण तथा अवैध रेत परिवहन की रोकथाम संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि चेक पोस्ट पर प्रत्येक संदिग्ध वाहन की गहन जांच की जाए तथा किसी भी स्थिति में अवैध खनिज परिवहन को अनुमति न दी जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रुस्त्र, वन विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग तथा खनिज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चंबल नदी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर-पीथमपुर की औद्योगिक एवं आईटी क्षमताओं का किया अवलोकन

इंदौर (आरएनएस)। जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर एवं पीथमपुर क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दौरान यहां विकसित औद्योगिक अधोसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रगति तथा निवेश संभावनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने क्षेत्र में संचालित उद्योगों, आधुनिक विनिर्माण सुविधाओं और तकनीकी नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। पीथमपुर में महले आनंद थर्मल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की उत्पादन इकाई का भ्रमण कर विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं औद्योगिक व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही इंदौर स्थित इंफोबीन्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का अवलोकन कर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विकसित हो रहे नवाचारों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।भ्रमण के दौरान एमपीआईडीसी इंदौर के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने उन्हें इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र की औद्योगिक प्रगति, निवेश अवसरों, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, आईटी इकोसिस्टम तथा व्यापारिक संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र में उपलब्ध विश्वस्तरीय अधोसंरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण, कुशल मानव संसाधन तथा निवेशकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी भी दी। कॉन्सुलेट जनरल ने इंदौर की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत से भी परिचय प्राप्त किया। उन्होंने राजवाड़ा और लालबाग पैलेस का भ्रमण कर शहर की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन संभावनाओं की सराहना की। क्रिस्टोफ हॉलियर ने बताया कि भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग निरंतर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है और भविष्य में जर्मन निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। यह दौरा मध्यप्रदेश और जर्मनी के बीच औद्योगिक एवं आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

उज्जैन,(आरएनएस)। गुरुवार को सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कुमट की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई।सीईओ जिला पंचायत श्री कुमट ने निर्देश दिए कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राहियों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के समस्त नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाए। 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग, एक्स-रे एवं फूड बास्केट वितरण सुनिश्चित किया जाए। उज्जैन शहरी क्षेत्र, नरवर एवं बड़नगर में शत-प्रतिशत एक्स-रे कर टीबी स्क्रीनिंग पूर्ण की जाए। टीकाकरण के अंतर्गत बड़नगर एवं खाचरौद में एमआर-1 एवं एमआर-2 का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया जाए। पोषण पुनर्वास केन्द्रों में शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए। बड़नगर में एनआरसी पोर्टल पर शून्य प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा तराना में भी संतोषजनक प्रगति नहीं पाई गई।

व्यापार समाचार

RBI ने रद्द किए 135 फाइनेंस कंपनियों के लाइसेंस, कहीं आपने भी तो नहीं लिया है लोन? जानिए क्या होगा असर

मुंबई (आरएनएस)। देश के वित्तीय बाजार को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने एक बेहद सख्त कदम उठाया है। नियमों की अनदेखी और गड़बड़ी करने वाली 135 नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (NBFC) के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट आरबीआई ने रद्द कर दिए हैं। इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल से लेकर मुंबई तक की कई कंपनियां शामिल हैं। आरबीआई की इस बड़ी कार्रवाई के बाद अब आम लोगों के मन में अपने पैसों और लोन को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

क्या होती हैं एनबीएफसी और कैसे करती हैं काम

नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां भी आम बैंकों की तरह ही लोगों को लोन देने, निवेश करने और शेयर या बॉन्ड खरीदने जैसी वित्तीय सुविधाएं प्रदान करती हैं। हालांकि, इन कंपनियों के पास पूरी तरह से बैंकिंग का लाइसेंस नहीं होता है। इसका सीधा मतलब यह है कि ये आम बैंकों की तरह ग्राहकों से सेविंग या करंट अकाउंट के जरिए डिमांड

डिपॉजिट नहीं ले सकती हैं। इसके अलावा, ये फाइनेंस कंपनियां न तो खुद के चेक जारी कर सकती हैं और न ही इनके पास अपना कोई पेमेंट सेटलमेंट सिस्टम होता है।

चल रहे पुराने लोन पर क्या पड़ेगा असर

रिजर्व बैंक की इस सख्त कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को किसी भी तरह की धोखाधड़ी से बचाना है। नियमों का पालन न करने वाली इन कंपनियों को हटाकर वित्तीय बाजार को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया गया है। सबसे अहम बात यह है कि जिन ग्राहकों का इन 135 कंपनियों में से किसी के पास लोन चल रहा है, उनका लोन पहले की तरह ही चलता रहेगा। नियम के अनुसार ग्राहकों को अपना लिया हुआ कर्ज चुकाना होगा। हालांकि, कार्रवाई के बाद अब ये बैन हुई कंपनियां मार्केट में कोई नया लोन नहीं बांट सकेंगी।अगर आप भविष्य में किसी एनबीएफसी में एफडी या दूसरी किसी स्कीम में पैसा निवेश करने का मन बना रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उस कंपनी के पास आरबीआई का वैलिड सर्टिफिकेट है या नहीं। निवेश से पहले हमेशा क्रिसिल या इकरा जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा दी गई क्रेडिट रेटिंग जरूर जांच लें और AAA' या 'AA' रेटिंग वाली कंपनियों पर ही भरोसा जताएं।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से लाल निशान में खुला बाजार, सेंसेक्स 340 अंक फिसला

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में 0.40 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,983.18 से 367.19 अंक गिरकर 73,615.99 पर खुला, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,214.95 से 110.55 अंक गिरकर 23,104.40 पर खुला।शुरुआती कारोबार में खबर लिखे जाने तक, सेंसेक्स 340.39 अंक या 0.46 प्रतिशत गिरकर 73,642.79-34 पर ट्रेड कर रहा था, तो वहीं निफ्टी50 114.45 अंक या 0.49 प्रतिशत गिरकर 23,100.50 पर था।

सस्ते में सोना खरीदने का मौका, 24 घंटे में 5 हजार रुपए से अधिक लुढ़का

मुंबई (आरएनएस)। सोने की कीमतों में बुधवार को बड़ी बिकवाली देखने को मिली है। इससे दाम कम होकर करीब 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 5,373 रुपए कम होकर 1,47,146 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,52,519 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,39,707 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,34,786 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। 18 कैरेट सोने का दाम घटकर 1,10,360 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,389 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी कमी देखने को मिली है। चांदी का दाम 12,655 रुपए कम होकर 2,33,283 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,45,938 रुपए प्रति किलो था।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,48,702 रुपए और चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,33,621 रुपए पर था।

भारत ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में योगदान देने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। वर्ष 2020 से 2030 के बीच ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में योगदान देने वाला भारत दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जर्मनी की वेंचर कैपिटल फर्म 'फाउंडामेंटल' की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में भारत और चीन की संयुक्त हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, पूंजीगत खर्च तेजी से पांच देशों में केंद्रित हो रहा है, जिसमें भारत, चीन, अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं।

फाउंडामेंटल के को-फाउंडर और जनरल पार्टनर शुभंकर भट्टाचार्य ने कहा, 2020 से 2030 के बीच वॉल्यूम के हिसाब से ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में भारत का हिस्सा 14.1 प्रतिशत है, औक यह चीन के 26.1 प्रतिशत के बाद दूसरे स्थान पर है। वहीं, अमेरिका 11.1 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

2024 में दुनिया में कंस्ट्रक्शन पर खर्च 15.97 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया और 2028 तक इसके बढ़कर 19.86 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 5.6 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) है। इस कुल खर्च में, इंफ्रास्ट्रक्चर दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाला मुख्य कंस्ट्रक्शन सेक्टर है, जो 2020 और 2025 के बीच 5.1 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा है।

स्टॉक मार्केट में वाह केमिकल्स की प्रीमियम लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स के शेयरों ने आज बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 16.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 70 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद बाजार में लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 71 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली शुरू होने पर ये 66.50 रुपये के स्तर तक गिर कर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.50 रुपये यानी 10.83 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से आठ जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 87.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 74.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 100.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22.42 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 2.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 5.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 23.75 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 43.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में मामूली बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 11.25 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 11.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

रुपया 32 पैसे टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर खुला

- घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर डाला दबाव

मुंबई (ए.)। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी मुद्रा की निरंतर निकासी, घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख और डॉलर में मामूली मजबूती ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.55 प्रति डॉलर पर खुला और फिर टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बुधवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.25 पर बंद हुआ था। अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने तथा घरेलू मुद्रा में और गिरावट को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.95 पर रहा।

भारत में बनेगा मेटा का पहला एआई डेटा सेंटर, रिलायंस के साथ साझेदारी; शेयरों में उछाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी Meta ने भारत में अपना पहला द्ध-सक्षम डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी की है। यह अत्याधुनिक परियोजना गुजरात के जामनगर में विकसित की जाएगी और इसे भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस घोषणा के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी देखने को मिली। कंपनी का शेयर 1.53 प्रतिशत बढ़कर 1,289 रुपये तक पहुंच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज 168 मेगावाट क्षमता वाला आधुनिक डेटा सेंटर विकसित करेगी। परियोजना को अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि भविष्य में इसकी क्षमता बढ़ाने की संभावना भी बनी रहेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत रिलायंस डेटा सेंटर की डिजाइनिंग, निर्माण, बिजली एवं यूटिलिटी प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित संपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

यह समझौता Meta और रिलायंस के बीच पहले से मौजूद रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। दोनों कंपनियां पूर्व में भी भारत तथा कुछ अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए AI-आधारित एंटरप्राइज समाधान विकसित करने में सहयोग कर चुकी हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आय एवं व्यय के आंकड़े

आय कर रिटर्न्स से उभरा रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है।वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल हुए आयकर रिटर्न्स से देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की झलक मिली है। एक अंग्रेजी वित्तीय अखबार के विश्लेषण के मुताबिक पांच लाख रुपये तक आमदनी वाले व्यक्तियों के रिटर्न की संख्या 2024-25 की तुलना में गिर कर लगभग आधी रह गई है। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि गुजरे वित्त वर्ष में सरकार के आय कर दरों में बढ़ोतरी करने की वजह से बहुत से लोगों के लिए रिटर्न फाइल करने की अनिवार्यता नहीं रह गई। मगर इससे यह भी जाहिर होता है कि लोगों के क्रमिक रूप से ऊपर के आय वर्ग में शामिल होने का क्रम टूटा हुआ है।2019-20 के बाद से 2022-25 तक पांच लाख से कम आबादी वाले वर्ग की ओर से सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल होते थे। मगर अब पांच से दस लाख रुपये के बीच की आमदनी वाले समूह ने यह स्थान हासिल कर लिया है। 2024-25 में इस आय वर्ग में चार करोड़ 75 लाख रिटर्न फाइल हुए थे, जो पिछले वर्ष पांच करोड़ 45 लाख तक पहुंच गए। रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है।2011-12 में हर दस लाख आबादी पर 649 परिवारों के 775 लोगों ने हवाई यात्रा की थी। तब कुल छह करोड़ 80 लाख हवाई यात्राएं हुईं। 2023-24 में हवाई यात्राओं की संख्या 15 करोड़ 37 लाख तक पहुंच गई। लेकिन ये यात्राएं हर दस लाख आबादी में 471 लोगों ने की, जो 469 परिवारों से आए। मतलब यह कि 2011 में हवाई यात्राओं की संख्या भले कम थी, मगर आबादी के हिसाब से यात्रियों का अनुपात कहीं बड़ा था। महंगी कारों एवं अन्य उपभोक्ता चीजों की खरीदारी के आंकड़ों से भी इसी रुझान का संकेत मिलता है। इसीलिए सरकार के विषमता घटने के दावों पर यकीन करना मुश्किल होता गया है। मसलन, पारिवारिक उपभोग खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2023-24 में ऐसा दावा किया गया। जबकि आय एवं व्यय के अन्य आंकड़े कुछ और कहानी बताते हैं।

बचपन की मिठास को कड़वे पसीने में बदलती यह निर्दयी दुनिया

प्रो. आरके जैन अरिजीत

किसी भी समाज का भविष्य बच्चों की आँखों में बसता है। जब उन आँखों के सपने स्कूल की चौखट तक पहुँचने से पहले ही श्रम की धूल में खो जाएँ, जब नन्हे हाथ खिलौनों और किताबों के बजाय बोझ और औजार उठाने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं मानवता हार रही है। 12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है—यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है; बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है।आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह, वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है, पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7, जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था, पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं; जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी।बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप-सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं, जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो-तिहाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49

[जब तक आखिरी बच्चा श्रम से मुक्त नहीं, हम सब अपराधी हैं]

[बचपन की सबसे बड़ी विडंबना—सपनों का नहीं, मजबूरी का बड़ा होना]

मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है, पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों, बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है, लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम, छोटे कारखाने, बाजार, निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं। विडंबना यह है कि हम उत्पादों की चमक देखते हैं, पर उनके पीछे खोया बचपन नहीं।भारत की स्थिति किसी भी तरह के आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं छोड़ती। आधिकारिक आँकड़ों में लाखों बच्चे बाल श्रम में दर्ज हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे इससे कहीं अधिक मानते हैं। कृषि, पटाखा, चमड़ा, काँच उद्योग, खदानें और शहरी घरेलू कार्य—हर जगह बचपन श्रम में उलझा दिखता है। महामारी के बाद बढ़ी गरीबी, मानव तस्करी, पारिवारिक मजबूरियाँ और जलवायु संकट ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज श्रम में खोया हर बच्चा कल की प्रतिभा हो सकता था। बाल श्रम दरअसल भविष्य की संभावनाओं की चोरी है। कानून मौजूद हैं, पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी कमजोर है—एफआईआर बढ़ती हैं, लेकिन दोषसिद्धि कम। बाल श्रम केवल अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिक परीक्षा है। एक ओर हम बच्चों को देवतुल्य मानकर पूजते हैं, दूसरी ओर वही व्यवस्था उन्हें सबसे सस्ता श्रमिक बना देती है। गरीबी, अशिक्षा, वयस्कों के लिए रोजगार की कमी और कमजोर सामाजिक सुरक्षा—ये चार आधार बाल श्रम को मजबूती देते हैं। आजीविका के दबाव में परिवार बच्चों को भी श्रम की ओर धकेल देते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट, संघर्ष और युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियाँ उनके बचपन को और संकुचित कर रही हैं। स्पष्ट है कि समाधान केवल बच्चों को काम से हटाने में नहीं, बल्कि उन सामाजिक-आर्थिक कारणों को बदलने में है जो उन्हें वहाँ पहुँचाते हैं। बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में वर्ष 2026 का विषय निर्णायक संकेत देता है—बाल श्रम को लाल कार्ड: बच्चों के लिए उचित अवसर, वयस्कों के लिए सम्मानजनक कार्य। यह केवल नारा नहीं, बल्कि नीति परिवर्तन का आह्वान है। इसका स्पष्ट संदेश है कि बच्चों को अवसर और वयस्कों को सम्मानजनक रोजगार साथ-साथ दिए बिना बाल श्रम समाप्त नहीं होगा। फरवरी 2026 की माराकेश रूपरेखा ने भी शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सुधार पर जोर दिया है। लेकिन संकल्प तभी सार्थक हैं जब वे जमीन पर बदलाहट बनें। दुनिया ने बाल श्रम के विरुद्ध अनेक संकल्प लिए हैं; अब जरूरत घोषणाओं से आगे बढ़कर उन्हें लागू करने की है। बाल श्रम केवल अधिकारों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानव विकास की गहरी बाधा है। बचपन में काम करने को मजबूर बच्चा शिक्षा और कौशल से वंचित रह जाता है, जिससे आगे उसकी आय, अवसर और उत्पादकता सीमित हो जाती है और गरीबी पीढ़ियों तक चलती है। इसका प्रभाव राष्ट्रीय उत्पादकता, स्वास्थ्य और सामाजिक समानता पर भी पड़ता है। फिर भी आशा बनी हुई है—कुछ गाँवों की सामुदायिक निगरानी, एनजीओ की पहल और राज्य स्तरीय योजनाएँ सकारात्मक संकेत दे रही हैं। लेकिन ये प्रयास पर्याप्त नहीं; जरूरत है एक व्यापक, सख्त और समन्वित अभियान की, जिसमें पारदर्शी आपूर्ति शृंखलाएँ, कानून, आर्थिक सहारा और सामाजिक जागरूकता साथ चलें। सभ्यता की असली पहचान बच्चों की हँसी में है, न कि उनके श्रम में। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हमें याद दिलाता है कि अब संवेदना नहीं, निर्णायक कार्रवाई का समय है।

नीतिगत गतिरोध से विकसित भारत तकः मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

पीयूष गोयल

वर्ष 2014 के बाद से, भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसकी अर्थव्यवस्था कहीं अधिक मजबूत हुई है। बुनियादी ढांचा निश्चित रूप से बेहतर हुआ है। महिलाएं बेहद सशक्त हुई हैं। किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं और गरीब अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुए हैं। इन तमाम बदलावों में एक ही बात साझा है: प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और उनका नेतृत्व।

भारत के लोगों ने उनके दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व का भरपूर समर्थन किया है और उन्हें देश का सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला निर्वाचित प्रधानमंत्री बनाया है। बीते 10 जून को उन्होंने राष्ट्र की सेवा में 4,399 दिन पूरे किए और अपनी पहली चुनावी जीत के बाद जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गए।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। देश के लोगों ने ऐसे समय में 2014 में मोदी सरकार को भारी बहुमत से सत्ता सौंपी, जब अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी और यूपीए सरकार के बदनाम कार्यकाल के दौरान नीतिगत गतिरोध, भ्रष्टाचार, घोटालों एवं विवादों को लेकर जनता में निराशा लगातार बढ़ रही थी।

संवेदनशील नेतृत्व - 2014 से देश निरंतर बदलाव की यात्रा पर है। मोदी सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की, 58 करोड़ जन धन बैंक खातों के जरिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाया और 16 करोड़ घरों तक नल के पानी का कनेक्शन पहुंचाया। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना, 'आयुष्मान भारत' के जरिए 12 करोड़ परिवारों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी मिल रही है।

कई युवा भारतीयों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल हो सकता है कि मोदीजी द्वारा - पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में - लाए गए बड़े बदलावों से पहले जीवन कितना चुनौतीपूर्ण था। उनके निर्णायक नेतृत्व और नेक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने देश को 'विकसित भारत 2047' मिशन की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस मिशन में भारत की विरासत पर गर्व और विकास का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा शामिल है।

नारी शक्ति

प्रधानमंत्री के लिए महिलाएं केवल सहायता की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माता हैं। सबसे पहले उनकी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दिया गया: स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। इससे उनकी सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे महिलाओं को धुएं से भरी रसोई के खतरों से मुक्ति मिली।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की पहल ने बेटियों की शिक्षा एवं उनके कल्याण के महत्व को और ठोस बनाया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के जरिए, प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की विधायिकाओं में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की है।

किसानों का कल्याण

किसानों का कल्याण प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का एक मुख्य आधार रहा है। किसानों के योगदान को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के जरिए उन्हें सीधे आय संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बांटे गए कुल 4.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि से लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों को लाभ हुआ है।

सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी काफी बढ़ोतरी की है, जो अब उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना है। साथ ही, किफायती दरों पर फसलों के लिए पोषक तत्व उपलब्ध कराकर किसानों को वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी से बचाया गया है।

युवाओं के लिए अवसर

युवा भारतीयों के लिए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से, 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी प्रमुख पहलें शुरू की गई हैं। 'कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय' के रूप में एक समर्पित मंत्रालय के गठन से जहां युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुकूल कौशल से लैस करने में मदद मिली है, वहीं भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में उभरती हुई क्रांति का लाभ उठाने के लिए तैयार भी किया गया है।

'स्टार्टअप इंडिया' और नवाचार को दिए गए व्यापक समर्थन ने कई युवाओं को नौकरी खोजने वाला से हटकर नौकरी देने वाला बनने में मदद की है। इन पहलों ने उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) की एक ऐसी नई लहर की नींव रखी है, जिसमें आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के मामले में अहम योगदान देने की क्षमता है।

अर्थव्यवस्था और जीवनयापन में सुगमता

वर्ष 2014 से पहले, भारत की गिनती दुनिया की फ्रैजाइल फाइव (कमजोर पांच) अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में होती थी। निवेशकों का भरोसा भी लगातार कम हो रहा था। साहसिक सुधारों, निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियों, वित्तीय अनुशासन और अपेक्षाकृत कम महंगाई के सहारे, भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और यह कारोबार व निवेश का एक आकर्षक स्थल बनता जा रहा है।

भारत ने विभिन्न विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इससे हमारे युवाओं, किसानों, छोटे व्यवसायों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर खुले हैं। और ऐसा भारत के हितों से समझौता किए बिना किया गया है। यह यूपीए सरकार द्वारा किए गए कुछ लापरवाही भरे समझौतों से बिल्कुल अलग है।

सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और करों की कम दरों जैसे बड़े सुधारों के जरिए कारोबार जगत और मध्यम वर्ग का भरोसा भी बढ़ाया है। इंटरनेट की पैठ और डिजिटल भुगतान प्रणाली के तेज विस्तार के साथ मिलकर, 'डिजिटल इंडिया' पहल ने अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालने के साथ-साथ नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बनाया है।

कई पुराने एवं मामूली अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाने तथा अनुपालन के अनावश्यक बोझ को कम करने से कारोबार जगत को और भी अधिक लाभ हुआ है। मध्यम वर्ग को भी काफ़ी राहत मिली है और 12.75 लाख रुपये तक की सालाना आय को आयकर से छूट दे दी गई है।

आधुनिक बुनियादी ढांचा

मोदी सरकार देश के बुनियादी ढांचे में तेजी से बदलाव ला रही है। सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। वर्ष 2014 में सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 74 थी और अब यह 160 से अधिक हो गई है।बड़े पैमाने पर रेलवे के विद्युतीकरण, महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना और राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेसवे के तेज विस्तार ने देश के कई हिस्सों के बुनियादी ढांचे को दुनिया के बेहतरीन बुनियादी ढांचों की बराबरी में ला खड़ा किया है। प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का वास्तविक महत्व कार्यकाल के दिनों की गिनती में नहीं, बल्कि किए गए व्यापक बदलावों में निहित है।

ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के हालात क्यों बिगड़ गए?

सौरभ वार्ष्णेय/

पश्चिम बंगाल की राजनीति में कभी अजेय दिखाई देने वाली ममत बेनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी आज गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रही है। 2026 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष, बगावत और नेतृत्व को लेकर सवाल लगातार बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अगर बदूबार मंथन करेंगे तो सर्व प्रथम सत्ता-विरोधी माहौल का असर दिखाई दे रहा है। लगभग 15 वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता में रहने के बाद टीएमसी को स्वाभाविक रूप से सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर कथित कट मनी संस्कृति, प्रशासनिक अक्षमता और कुछ चर्चित घोटालों ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुँचाया। कई विश्लेषकों का मानना है कि जनता के एक वर्ग में बदलाव की इच्छा मजबूत हो गई थी।नेतृत्व और उत्तराधिकार की चुनौती : टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत हमेशा ममता बनर्जी का व्यक्तिगत जनाधार रहा है। लेकिन समय के साथ पार्टी में नेतृत्व का अत्यधिक केंद्रीकरण दिखाई देने लगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बेनर्जी की भूमिका को लेकर भी संगठन के भीतर मतभेद सामने आए हैं। हाल के घटनाक्रमों में कई नेताओं और सांसदों द्वारा असंतोष व्यक्त किए जाने की खबरें आई हैं। बगावत ने संकट को गहरा किया : सबसे बड़ा झटका तब लगा जब बड़ी संख्या में विधायकों ने बागी रुख अपनाया। रिपोर्टों के अनुसार 58 से अधिक विधायकों ने अलग समूह का समर्थन किया और पार्टी नेतृत्व को खुली चुनौती दी। इससे TMC की एकजुटता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं।संगठनात्मक कमजोरी उजागर: चुनावी हार के बाद कई स्थानीय इकाइयों और समितियों को भंग करने की नौबत आई। यह कदम आत्ममंथन के लिए उठाया गया बताया गया, लेकिन इससे यह भी संकेत मिला कि पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा दबाव में है।कानूनी और विवादास्पद मामलों का दबाव: पार्टी के कुछ नेताओं पर लगे आरोप, जांच एजेंसियों की कार्रवाई और हस्ताक्षर जालसाजी जैसे विवादों ने भी TMC की मुश्किलें बढ़ाई हैं।

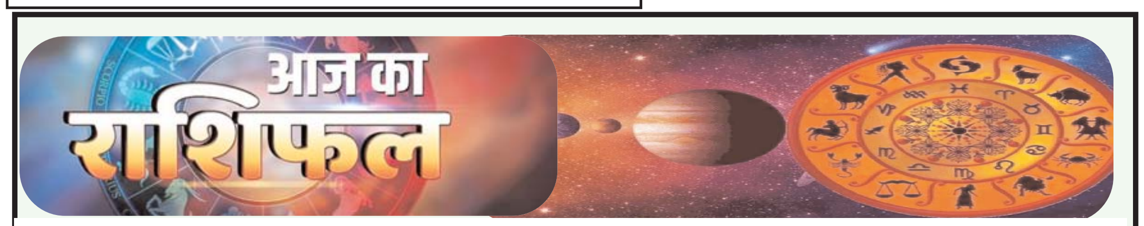

मेष- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष- कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। मिथुन- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है।

कर्क- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

सिंह- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा।

कन्या- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

तुला- नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक- पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

धनु- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर- आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें।

कुम्भ- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

भारत की सेवा में विज्ञान के 12 वर्ष

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब जम्मू के डोडा जिले की एक लैवेंडर किसान मौसम के पहले फूल तोड़ती है, तब वह विज्ञान नीति के बारे में नहीं सोचती। लेकिन सच यह है कि केंद्र शासित प्रदेश की बंजर पहाड़ियों को बैंगनी फूलों की सुगंधित खेती में बदलने के पीछे पिछले एक दशक में किया गया उद्देश्यपूर्ण और दूरदर्शी वैज्ञानिक निवेश ही है। यह ग्रामीण आजीविका में आई ऐसी क्रांति है, जिसकी शुरुआत एक प्रयोगशाला से हुई थी। असल में, भारत में पिछले बारह वर्षों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का यही अर्थ है। विज्ञान केवल ज्ञान बढ़ाने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह हमारे नागरिकों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने वाली एक जीवंत और प्रभावशाली शक्ति बन गया है।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला, तब उन्होंने एक ऐसी सोच प्रस्तुत की जिसमें विज्ञान को केवल किसी विभाग का काम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन माना गया। इसके बाद के वर्षों में इस दृष्टि ने ऐसे परिणाम दिए, जो एक पीढ़ी पहले असाधारण माने जाते। आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतार चुका है, पहली बार अपनी स्वदेशी एंटीबायोटिक विकसित कर चुका है, पुणे से पटना तक सुपरकंप्यूटर स्थापित कर चुका है और एक ऐसे अंतरिक्ष अर्थतंत्र का निर्माण कर चुका है जिसमें देशी स्टार्टअप्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

लेकिन इन उपलब्धियों की असली कहानी यह नहीं है कि हमने क्या हासिल किया, बल्कि यह है कि इन उपलब्धियों ने आम नागरिकों के जीवन को किस तरह प्रभावित किया। विज्ञान अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय विकास और नागरिक सशक्तिकरण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन चुका है।

किसानों का उदाहरण लें। भारतीय कृषि में मौसम हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। पिछले एक दशक में पृथ्वी अवलोकन (अर्थ ऑब्जर्वेशन) और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप आज किसानों को सटीक और स्थानीय स्तर पर मौसम की जानकारी मिल रही है। यह केवल संभावनाओं पर आधारित अनुमान नहीं, बल्कि इतनी सटीक जानकारी है कि कोई किसान परिवार यह तय कर सकता है कि फसल आज काटनी है या कल तक इंतजार करना है।

आज यदि बंगाल की खाड़ी में कोई चक्रवात बनता है, तो हमारी आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियां तटीय समुदायों को कई घंटे, और कई बार कई दिन पहले ही सचेत कर देती हैं। इसका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता; इसका वास्तविक मूल्य उन अनगिनत जानों और आजीविकाओं में दिखाई देता है जो समय रहते बचाई जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों और नदी घाटियों में विज्ञान ने अरोमा मिशन के रूप में दस्तक दी। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लैवेंडर की खेती से जोड़ा गया तथा उन्हें तकनीक, बेहतर बीज और बाज़ार तक पहुँच उपलब्ध कराई गई। जो पहल एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी, वह आज भारत की पर्पल रिवोल्यूशन (बैंगनी क्रांति) के रूप में जानी जाती है। इसके माध्यम से हजारों किसान परिवार सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती से सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं। इस समृद्धि के पीछे विज्ञान ने एक शांत लेकिन निर्णायक भूमिका निभाई है।

इसी प्रकार के प्रयासों के तहत केसर की खेती का विस्तार, औषधीय जड़ी-बूटियों का उत्पादन और भारत में पहली बार हींग की खेती की शुरुआत की गई। इन पहलों ने साबित किया है कि यदि नवाचार जमीन से जुड़ा हो, तो वह किसी भी औद्योगिक तकनीक जितना परिवर्तनकारी हो सकता है।

विज्ञान के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण केवल कृषि तक सीमित नहीं रहा है। किफायती ग्रामीण आवास के लिए विकसित 3डी-प्रिंटेड घरों के मॉडल से लेकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों तक, तकनीक को उन समस्याओं के समाधान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका सामना समाज के सबसे कमजोर वर्ग करते हैं।

कंप्यूटिंग, सेंसर तकनीक और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ने वाले राष्ट्रीय अंत:विषय साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन के तहत देशभर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने एक हजार से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया है, जो सटीक कृषि, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे हैं।

भारत को स्वस्थ बनाना: जैव प्रौद्योगिकी की नई क्रांति

यदि कोई क्षेत्र भारतीय विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति को सबसे प्रभावशाली ढंग से दिखाता है, तो वह जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र है। दशकों तक भारत की फार्मास्युटिकल ताकत मुख्य रूप से विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तक सीमित रही। हम उन दवाओं के जेनेरिक संस्करण बनाते थे, जिनकी खोज दूसरे देशों में होती थी। अब यह कहानी बदल रही है।

दशकों में पहली बार भारत में खोजी गई स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन का विकास केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की घोषणा भी है। सरकार के सहयोग से शोधकर्ताओं और उद्योग जगत की साझेदारी से विकसित यह दवा इस बात का प्रमाण है कि भारत की प्रयोगशालाएँ अब केवल दवाएँ बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नई दवाओं की खोज और विकास के वैश्विक अग्रिम मोर्चे पर भी काम कर सकती हैं। यह वह क्षमता है जो दुनिया के केवल कुछ देशों के पास ही है।

हरियाणा के हांसी में बड़ी वारदात, जिम संचालक की 10 गोलियां मारकर हत्या; वर्कआउट कर रही युवती भी घायल

हांसी (आरएनएस)। हरियाणा के हांसी में गुरुवार सुबह एक जिम संचालक की हत्या से सनसनी फैल गई। हमलावरों ने जिम संचालक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थीं। इस दौरान, एक अन्य युवती भी गोलीबारी में घायल हुई है। जानकारी सामने आई कि हांसी के फव्वारा चौक के पास गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे बाइक सवार हमलावरों ने जिम संचालक पर अंधाधुंध फायरिंग की। हमलावरों ने 5 सेकेंड के भीतर करीब 10 राउंड फायर किए, जिनमें कई गोलियां जिम संचालक की पीठ और सिर में लगीं। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय जिम संचालक चौक के पास दुकानों के रैंप पर युवक-युवतियों को सुबह की एक्सरसाइज करवा रहा था। इसी दौरान हेलमेट पहने बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग के दौरान वार्म-अप कर रही शिखा नाम की युवती छर्रे लगने से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हमलावरों की पूरी गतिविधि कैद होने की बात सामने आई है। तस्वीरों में देखा गया कि बाइक सवार दोनों युवकों अपने मुंह ढक रखे थे। एक ने हेलमेट पहना था और दूसरे ने कपड़े के मुंह को बांध रखा था। कोई कुछ समय पाता, तब तक बाइक पर पीछे बैठे युवक ने नीचे उतरकर जिम संचालक पर गोलियां बरसा दीं।वीडियो में फायरिंग के दौरान अन्य लोगों को वहां से भागते हुए देखा गया, जबकि आरोपी हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। बाद में सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईए और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिम संचालक की कुछ दिन पहले ही लव मैरिज हुई थी। पुलिस सभी संभावित एंगल से जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। हत्याकांड के बाद शहर में दहशत का माहौल है।

घायल की मदद करने पहुंचे लोगों को कार ने रौंदा, 2 सगे भाइयों समेत 5 की मौत

गोंडा,(आरएनएस)। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां गोंडा-लखनऊ हाईवे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में पांच लोगों की तड़प-तड़पकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से इलाके में कोहराम मच गया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।यह पूरा मामला जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र का है। जहां देर रात गोंडा-लखनऊ हाईवे पर नारायणपुर मोड़ के पास काम खत्म कर लौट रहे संजय तिवारी को पीछे से आ रहे एक डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी खतरनाक थी वो बाइक समेत सड़क किनारे एक गड्ढे में गिर गए और मदद के लिए गुहार लगाने लगे।इसी दौरान सनी सिंह नाम का युवक मौके पर पहुंचा और रास्ते से गुजर रहे 5-6 लोगों की मदद से घायल संजय तिवारी को सड़क के एक किनारे से उठाकर दूसरी तरफ ले जाने लगे रहे थे ताकि एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया जा सके। तभी करनैलगंज की ओर से लखनऊ जा रही एक एक्सयूवी ने सभी को रौंद दिया। जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए और 2 सगे भाइयों समेत 5 की मौत हो गई।

टीएमसी में चल रही फूट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस सक्रिय

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में गुरुवार को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) मुख्यालय में पार्टी के महासचिवों, राज्य प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की एक बेहद महत्वपूर्ण आपात बैठक हुई। इस बैठक में राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी वाड्रा और जयराम रमेश सहित कई दिग्गज नेता शामिल हुए।

विपक्ष को एकजुट रखने और दल-बदल रोकने पर मंथन

बैठक में मुख्य रूप से विपक्षी एकता को मजबूत बनाए रखने पर चर्चा हुई। ऐसी अटकलें हैं कि टीएमसी के कुछ सांसद लोकसभा में अपना एक अलग गुट बनाकर बीजेपी सरकार की प्राथमिकताओं का समर्थन कर सकते हैं। इस संभावित फूट को देखते हुए कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन की एकजुटता को बनाए रखने के उपायों पर गहराई से विचार किया। साथ ही, पार्टी के बड़े नेताओं ने विभिन्न राज्यों में नए सहयोगी दलों के साथ तालमेल बढ़ाने और गठबंधन का दायरा और बड़ा करने की रणनीति पर भी मंथन किया।बैठक के दौरान बीजेपी सरकार द्वारा अपने केंद्र में 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे प्रचार अभियान का मुकाबला करने पर रणनीति बनी। इसके अलावा, पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का सबसे लंबे समय तक पद पर रहने का रिकॉर्ड तोड़ने से जुड़े राजनीतिक विमर्श का जवाब देने की योजना पर भी बात हुई।

'किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल', 12 साल की उपलब्धियों में पीएम मोदी ने गिनाई कृषि योजनाएं

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र में अपनी सरकार के 12 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'किसान समृद्धि' का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल किसानों की आय की सुरक्षा के साथ-साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमारे किसान भाई-बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं। उनके जीवन को अधिक से अधिक आसान बनाने के लिए हमारी सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। पीएम-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल उनकी आय की सुरक्षा के साथ-साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। पीएम-कुसुम योजना से जहां खेती के लिए उन्हें सौर ऊर्जा सुलभ हुई है, वहीं इससे खेती पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, खेती सहित अन्य जरूरतों के लिए कम ब्याज पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराने में किसान क्रेडिट कार्ड किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के बहुत काम आ रहा है। उनकी फसलों को उचित मूल्य दिलाने के लिए 'बीज से बाजार तक' की हमारी पहल भी बहुत कारगर साबित हो रही है।पीएम मोदी ने यह भी कहा कि किसानों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसलिए उन्हें कृषि से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर हमारा निरंतर जोर रहा है। उन्होंने कहा, ड्रोन, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्राकृतिक खाद से जुड़े अभियानों से भी किसानों को फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल रही है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने 'संस्कृत सुभाषितम्' शेयर करते हुए लिखा, कृषि केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के पोषण का मूल आधार है। हमारे किसान भाई-बहनों का पसीना जब मिट्टी में मिलता है तो अन्न बनकर देशवासियों के जीवन को संबल देता है। ते कृषिं च सस्यं च मनुष्या उप जीवन्ति। कृष्टराधिरुपजीवनीयो भवति य एवं वेद।

'संस्कृत सुभाषितम्' में कहा गया है, खेती और फसल ही मनुष्य के जीवन का आधार हैं। जो व्यक्ति इस सत्य को समझता है, वही कृषि कार्य को सही ढंग से करता है और उसी के माध्यम से समाज का भरण-पोषण होता है। गौरतलब है कि पिछले एक दशक में भारतीय कृषि क्षेत्र में केंद्र सरकार ने कई पहलों को शुरू किया है, उनका उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाने और उनकी बेहतर आय रहा है। आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीआई) के तहत 4 करोड़ से अधिक किसान को बीमा का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत अब तक देशभर में किसानों के खातों में 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजा जा चुकी है। 2014-2025 के बीच जलवायु के अनुकूल फसलों की लगभग 3,000 किस्में जारी की गईं। कृषि अवसंरचना कोष के तहत 84,200 करोड़ रुपए से अधिक मंजूर किए गए।

गोदावरी नदी में मची चीख-पुकार, 50 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटने से 2 महिलाओं की दर्दनाक मौत

बीड ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के बीड जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां पुरुषोत्तमपुरी में गोदावरी नदी के अंदर करीब 50 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव अचानक पलट गई। इस खौफनाक हादसे में डूबने से दो महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई है, जबकि एक अन्य बुजुर्ग महिला अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है।

घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालु अधिक मास यात्रा के दौरान देश के एकमात्र भगवान पुरुषोत्तम मंदिर में दर्शन के लिए नदी पार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का स्पष्ट आरोप है कि नाव में उसकी क्षमता से कहीं ज्यादा यात्रियों को बैठाया गया था। इसी घोर लापरवाही के कारण बीच नदी में नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए पानी में छलांग लगा दी और डूब रहे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस हृदयविदारक घटना में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान बुलढाणा जिले के लोणार निवासी 55 वर्षीय प्रमिला शेषराव राठोड और 70 वर्षीय प्रयागाबाई ज्ञानदेव डोके के रूप में हुई है। वहीं, वाशिम जिले के महागांव की रहने वाली 75 वर्षीय सिंधूबाई अर्जुन मवाळ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

मणिपुर में बड़ी वारदात : अपहरण के बाद छह लोगों को उतारा मौत के घाट; 28 दिन बाद मिले शव

इंफाल ,(आरएनएस)। मणिपुर के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई 2026 को कथित अपहरण के बाद लापता हुए नागा समुदाय के छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। सभी शवों को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान के शवगृह में रखा गया है। करीब 28 दिनों बाद शवों के बरामद होने से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजन और समुदाय के लोग अब शवों की पहचान और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।लियांगमाई नागा काउंसिल मणिपुर के अध्यक्ष टिमोथी विजुनामाई ने कहा कि सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बरामद शव वास्तव में उन्हीं छह लापता लोगों के हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले हमें यह देखना होगा कि शव किस स्थिति में हैं। हमें यह पुष्टि करनी होगी कि ये वास्तव में हमारे वही छह लोग हैं जो लापता हुए थे। विजुनामाई ने आगे कहा कि शवों की पहचान और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद पीड़ित परिवारों के साथ बैठक कर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, हमें पीड़ितों के परिजनों के साथ बैठकर चर्चा करनी होगी और उसके बाद तय करेंगे कि आगे क्या कदम उठाए जाएं। सरकार की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए विजुनामाई ने कहा कि शवों को इंफाल लाने में 28 दिन लगना बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा, हम कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? शवों को यहां लाने में 28 दिन लग गए। सरकार ने जिस तरह से कार्रवाई की है, उससे हम बेहद निराश हैं। अब हम यह देखना चाहते हैं कि आगे सरकार क्या कदम उठाती है।

नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

टीएमसी को एक और झटका, राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष और हलचल बढ़ती जा रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने आज राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

बराइक से पहले टीएमसी के दो और कद्दावर राज्यसभा सांसद — सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव — भी संसद के उच्च सदन से इस्तीफा दे चुके हैं। इन तीन बड़े इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी की ताकत काफी कमजोर हो गई है। बराइक के इस्तीफे के बाद अब टीएमसी के सांसदों की संख्या केवल 10 रह गई है।

राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार, टीएमसी के भीतर असंतोष यहीं थमने वाला नहीं है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले एक हफ्ते में पार्टी के तीन और राज्यसभा सांसद अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो संसद में ममता बनर्जी की पार्टी की स्थिति और कमजोर हो जाएगी।हालांकि, इन इस्तीफों के पीछे के स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन विपक्षी दल इसे टीएमसी में बढ़ती कलह और असंतोष का संकेत मान रहे हैं।इस सप्ताह बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने सांसद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दिया था। इसके पहले सीनियर नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने राज्यसभा और पार्टी से इस्तीफा दिया था। 2021 में कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में शामिल हुईं देव ने बताया कि यह उनका निजी फ़ैसला था और उन्होंने अपने भविष्य के प्लान के बारे में अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की।बराइक का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार और बगावत के कारण टीएमसी के भीतर अनिश्चितता बढ़ गई है। पिछले हफ्ते, पार्टी के 80 में से 65 विधायकों ने आधिकारिक ऋ्रष्ट विधानमंडल दल से अलग होकर विधानसभा में मुख्य विपक्षी गुट के रूप में मान्यता हासिल की। यह गुट निकाले गए विधायक ऋत्ब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बना। बागी गुट ने दावा किया कि उनकी ताकत बढ़ रही है।

बदला मौसम का मिजाजः कई राज्यों में तेज बारिश, दिल्ली में आंधी और ओलों की चेतावनी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देशभर में मौसम का रंग-ढंग बहुत तेजी से बदल रहा है। एक तरफ जहाँ उत्तर-पश्चिम भारत के कई इलाकों में लोग भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) का सामना कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कई राज्यों में बारिश, तेज आंधी, बिजली गिरने और ओलों की आशंका भी जताई जा रही है। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) का कहना है कि हवा के बदलते रुख और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण आने वाले दिनों में देश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम का यह मिजाज जारी रहेगा। इस बीच राहत की बात यह है कि मानसून भी अब तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले पांच दिनों के भीतर इसके कई नए राज्यों में पहुँचने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में 11 से 16 जून के बीच कई जगहों पर बारिश होने की पूरी संभावना है। इस दौरान इन इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की बात कही गई है। इसके साथ ही, मानसून के आगे बढ़ने के लिए हालात बिल्कुल सही बने हुए हैं। उम्मीद है कि अगले पांच दिनों में मानसून अरब सागर के कुछ और हिस्सों को कवर करते हुए महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के बाकी बचे इलाकों में भी दस्तक दे देगा। बंगाल की खाड़ी में भी मानसूनी हवाएं मजबूत हो रही हैं, जिससे पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में जल्द ही मानसून के पहुँचने की औपचारिक घोषणा हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में राहत के साथ आंधी का अलर्ट

दिल्ली और उसके आस-पास के इलाकों (NCR) में पिछले दिनों हुई बारिश और तेज हवाओं से लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली है और तापमान में भी गिरावट आई है। हालांकि, मौसम विभाग ने सचेत किया है कि राहत के साथ-साथ आंधी-तूफान का खतरा अभी टला नहीं है। दिल्ली में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के वक्त गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान करीब 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मानसून के सक्रिय होने से देश के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जिसके लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बिहार, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी भारी बारिश की आशंका जताई गई है। साथ ही, बिहार और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में बिजली गिरने और आंधी-तूफान का खतरा बना हुआ है।

पेंशन के लिए बेटा-बेटी ने की थी पिता की हत्या, अब कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा, मां को उम्रकैद

हैदराबाद ,(आरएनएस)। तेलंगाना की एक स्थानीय अदालत ने पेंशन के लिए पिता की हत्या के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है. मामले में दोषी बेटा और बेटी को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है. जबकि पत्नी को उम्रकैद की सजा दी है. सात साल पहले 70 साल के रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी मारुति सुतार की हत्या उनके ही बेटे राहुल, बेटी प्रफुल्ला और पत्नी गंगा बाई ने की थी. उनके खाने में जहर देकर पहले उन्हें मारा गया था और बाद में बेरहमी से उनकी लाश के टुकड़े करके उसे बाल्टियों में भरकर रख दिया था. क्योंकि आरोपी शव को तुरंत ठिकाने नहीं लगा पा रहे थे।

सात साल पहले तेलंगाना में हुई इस घटना में मलकाजगिरी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 47 साल के बेटे राहुल, 36 साल की बेटी प्रफुल्ला को मृत्युदंड दिया है. 65 साल की पत्नी गंगा बाई को आजीवन कारावास की सजा मिली है. अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतक मारुति सुतार 2000 तक रेलवे विभाग में मालगाड़ी चालक का काम करते थे. लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम की वजह से उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी. जिसके बाद उन्हें हर महीने 30000 रुपए की पेंशन मिलती थी. इसी से घर का गुजारा होता था. पत्नी, बेटा और बेटी इस पेंशन से जलते थे. इसी बात से नाराज होकर तीनों ने उनकी हत्या का प्लान बनाया था।

इस घटना में तेलंगाना पुलिस ने बड़े खुलासे किए थे. मृतक की बेटी ने इंटरनेट पर सर्च करके मर्डर करने और उसके अलग-अलग तरीकों के बारे में समझा था. जिसके बाद 16 अगस्त 2019 को तीनों ने धतूरा सुखाकर उसका पाउडर बनाया और रात के वक्त उसे मारुति के खाने में मिला दिया. दो दिनों तक लगातार उनके खाने में पाउडर मिलाया. लेकिन उसका असर मारुति पर नहीं हो रहा था. ऐसे में तीसरे दिन पाउडर का डोज बढ़ा दिया, जहां खाना खाते ही मारुति बेहोश हो गए. इसके बाद तीनों ने उन पर चाकुओं से हमला कर दिया और उनकी हत्या कर दी थी. शरीर के टुकड़े कर उनके अंगों को बाल्टियों में भरकर छिपा दिया था. तीनों ने टुकड़ों को अलग-अलग वक्त पर घर से बाहर फेंकने की प्लानिंग बनाई थी. लेकिन उनके घर के सामने एक आयोजन चल रहा था. ऐसे में भीड़ होने की वजह से वह घर से निकल नहीं पाए।

चेकिंग के दौरान पुलिस की गैंगस्टर से मुठभेड़, आरोपी के दाहिने पैर में लगी गोली

फर्रुखाबाद,(आरएनएस)। फर्रुखाबाद जिले के कंपिल थाना पुलिस की बुधवार रात चेकिंग के दौरान कन्नौद जिले के रहने वाले एक गैंगस्टर से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश घायल हो गया। इलाज के लिए आरोपी को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने बताया कंपिल थाना पुलिस की ओर से बुधवार की मध्य रात्रि कटिया चौराहे पर चेकिंग की जा रही थी। पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक से आता हुआ दिखाई दिया। बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका और बाइक की गति तेज कर दी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 2.43 करोड़ का संदिग्ध गांजा बरामद, बैंकॉक से आया यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक बड़ी कार्रवाई में बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान उसके पास से करीब 2.43 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को यात्री के सामान की एक्स-रे जांच और विस्तृत तलाशी के दौरान यह बरामदगी हुई। उसके बैग से हरे रंग के मादक पदार्थ से भरे आठ पॉलीथीन पाउच मिले, जिन्हें तुरंत जब्त कर लिया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की आगे जांच जारी है।

सीमा शुल्क विभाग के बयान के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर की गई इस कार्रवाई में बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 6,939.5 ग्राम पाया गया है। प्रारंभिक जांच में इसे प्रथम दृष्टया गांजा (मारिजुआना) बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बैंकॉक से आए यात्री के बैग की एक्स-रे जांच और विस्तृत तलाशी के दौरान यह खेप पकड़ी गई। जब्त किए गए इस मादक पदार्थ की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 2.43 करोड़ रुपये आंकी गई है।

ट्रंप ने होर्मुज में गुप्त रास्ते से तेल ढुलाई का खुलासा किया, कहा- ईरान अनजान था

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ तनाव के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि भले ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अपने नियंत्रण में लिया हो, लेकिन उनकी सेना ने एक गुप्त रास्ते से 10 करोड़ बैरल से ज़्यादा तेल बाजार तक पहुंचा दिया है। उन्होंने दावा किया कि होर्मुज पर अमेरिका का नियंत्रण है, इसलिए यह जबरदस्त कामयाबी मिली। ट्रंप ने बताया कि गुप्त रास्ते से ईरान अनजान था।

ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, पिछले महीने, मैंने अमेरिकी सेना को होर्मुज से गुजरने वाले तेल टैंकरों और दूसरे वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। आज मुझे खुशी हो रही है कि इस कोशिश से 10 करोड़ बैरल से ज़्यादा तेल जलडमरूमध्य से गुजरकर खुले बाजार तक पहुंचा है। ट्रंप ने लिखा कि होर्मुज पर ईरान नहीं, अमेरिकी नियंत्रण की वजह से 200 से ज़्यादा वाणिज्यिक जहाज

यहां से सुरक्षित गुजरे हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से इस मिशन पर विस्तार से बात की और बताया कि पिछली रात बिना रोशनी वाले 22 जहाजों को नष्ट कर दिया गया और ईरान इसका पता नहीं लगा सका क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा कि हम लाखों बैरल तेल जब्त कर रहे हैं, हर रात तेल निकालते हैं और लाखों बैरल वाले जहाजों को जब्त कर रहे हैं, और ईरान को इसकी जानकारी नहीं थी।

अमेरिका ने मई की शुरुआत में होर्मुज से वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम सैन्य अभियान शुरू किया था। हालांकि, ईरान के दबाव में यह अभियान शुरू होने के ठीक एक दिन बाद रद्द कर दिया गया। उसी महीने के अंत में, कई अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने खबर दी कि ऑपरेशन फिर से शुरू हो गया है। हालांकि, उस समय अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इन खबरों का खंडन किया था और दावे झूठे बताए थे।

भारत की सख्ती के आगे झुका नेपाल, PM के 'ऊलजलूल' बयान पर डैमेज कंट्रोल; संसद में बैकफुट पर आई सरकार

काठमांडू (आरएनएस)। भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर दिए गए बेतुके बयान के बाद आखिरकार नेपाल की अक्ल ठिकाने आ गई है। पिछले

महीने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने यह कहकर एक बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि वे भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए चीन और ब्रिटेन के पास जाएंगे। भारत की ओर से कड़ा संदेश दिए जाने के बाद कि इस मामले में किसी तीसरे देश का दखल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, अब नेपाल सरकार डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। नेपाल के विदेश मंत्री ने खुद अपनी संसद में इस बात को स्वीकारा है कि भारत-नेपाल सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय मामला है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।नेपाली संसद को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान से उपजे विवाद को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने सदन में स्पष्ट किया कि नेपाल-भारत सीमा एक द्विपक्षीय मुद्दा है और नेपाल हमेशा से इसे ऐतिहासिक समझौतों के आधार पर आपसी बातचीत के जरिए ही सुलझाना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी तीसरे पक्ष से मध्यस्थता कराने का नहीं था। खनाल ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री का मतलब केवल यह था कि अगर 'सुगौली संधि' के दौर के ऐतिहासिक दस्तावेज चीन या ब्रिटेन के पास उपलब्ध हैं, तो उनका उपयोग सिर्फ तकनीकी प्रक्रिया में मदद के लिए किया जा सकता है। इससे पहले अपने भारत दौरे पर भी खनाल ने आपसी बातचीत से ही विवाद सुलझाने की बात कही थी।यह पूरा बवाल नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के उस अजब-गजब दावे के बाद शुरू हुआ था जो उन्होंने बीते महीने संसद में किया था।

अमेरिका में 957 करोड़ रुपए का बैंक घोटाला, फर्जी दस्तावेजों से दिया धोखा; भारतीय मूल का कारोबारी महेंद्र गिरफ्तार

कैलिफोर्निया (आरएनएस)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के एक कारोबारी द्वारा बैंक के साथ करोड़ों डॉलर की धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, 44 वर्षीय कारोबारी महेंद्र मखीजानी को एक बैंक को लगभग

100 मिलियन डॉलर (957 करोड़) का भारी-भरकम चूना लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कोरोना डेल मार के रहने वाले मखीजानी पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए लोन के लिए रखे गए गिरवी संपत्तियों का मूल्य बढ़ाकर दिखाने का गंभीर आरोप है। अमेरिकी न्याय विभाग ने बुधवार को बैंक धोखाधड़ी की आपराधिक शिकायत दर्ज करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया है।अभियोजकों का आरोप है कि मखीजानी ने संपत्तियों के टाइटल इंश्योरेंस रिकॉर्ड में हेरफेर की और फेडरल इंश्योर्ड बैंक के पास गिरवी रखे गए रियल-एस्टेट समर्थित लोन की स्थिति को गलत तरीके से पेश किया। इस जालसाजी के कारण ऋणदाता बैंक को भारी वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, महेंद्र मखीजानी न्यूपोर्ट बीच स्थित 'कैंटर ग्रुप' नाम की कंपनी चलाते हैं। इस कंपनी ने शिकायत में 'बैंक स1' के रूप में पहचाने गए एक बैंक के साथ लोन का बड़ा समझौता किया था।समझौते के तहत, बैंक ने कैंटर ग्रुप को रियल एस्टेट संपत्तियों पर आधारित लोन देने या हासिल करने के लिए लगभग 100 मिलियन डॉलर की बड़ी राशि दी थी।

अमेरिका ने ईरान पर भीषण बमबारी की, ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाया

वाशिंगटन/तेहरान, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरानी नियंत्रण और अमेरिकी नाकाबंदी से हालात बिगड़ रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि सेना ने गुरुवार तड़के ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त आत्मरक्षा हमले किए हैं। ईरान के कई क्षेत्रों में धमाके सुने गए हैं। इस पर ईरानी सेना ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाब दिया है।सेंटकॉम ने एक बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने पूरे ईरान में ईरानी सेना की निगरानी क्षमताओं, संचार प्रणालियों और एयर डिफ़ेंस साइटों पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, वायुसेना और नौसेना ने उन ईरानी ठिकानों पर सटीक निशाना साधने वाले हथियार दागे, जिनसे सेना और इलाके के पानी से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाज़ों को खतरा था। कमान ने बताया कि ये हमले ईरान की बिना वजह और लगातार जारी आक्रामकता के जवाब में किए गए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामिक देश के सिरिक और मीनाब में विस्फोटों की खबरें सामने आई है, जबकि दक्षिणी ईरान के कुछ हिस्सों में हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय हो गईं। यहां के बंदर अब्बास, केशम द्वीप और गोरगन सहित कई अन्य स्थानों पर भी विस्फोटों की सूचना दी गई है।

PoK में पाकिस्तानी सेना का खूनी खेल, रोटी मांग रहे निहत्थों पर AK-47 से बरसाईं गोलियां; 16 नागरिकों की मौत

रावलकोट । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के रावलकोट से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया है। यहां पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स ने अपना क्रूर चेहरा दिखाते हुए निहत्थे नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। जो लोग महज सस्ता आटा, चावल, बिजली और अपने बुनियादी अधिकारों की गुहार लगा रहे थे, उन्हें पाकिस्तानी हुक्मरानों ने मौत के घाट उतार दिया। रावलकोट के ईदगाह मैदान में 60 से 70 हजार की संख्या में आम लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जता रहे थे, तभी बिना किसी चेतावनी के सुरक्षाबलों ने भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी भारी संख्या में मौजूद थे।

इस बर्बर कार्रवाई के बाद रावलकोट की सड़कें और खेत निर्दोष लोगों के खून से लाल हो गए हैं। चारों तरफ अपनों के शव तलाशते बदहवास परिवार इस त्रासदी की गवाही दे रहे हैं। पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स ने निहत्थे लोगों पर सीधे AK-47 राइफलों से फायरिंग की, जिसमें हालिया हमले में कम से कम 16 नागरिकों की दर्दनाक मौत हो गई और 37 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह

खूनी सिलसिला शुक्रवार से ही जारी है और अब तक सेना की इस दमनकारी कार्रवाई में कुल 53 नागरिकों की जान जा चुकी है।पाकिस्तानी सेना की इस दरिंदगी ने पूरे इलाके में आक्रोश की भयंकर आग भड़का दी है। बेगुनाहों की हत्या के विरोध में खाई गाला गांव के लोगों ने बाजार पूरी तरह बंद कर दिए और सड़कों पर उतरकर हिंसा के खिलाफ विशाल मार्च निकाला। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने मिलकर मारे गए लोगों के लिए इंसाफ की मांग की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ एक ही नारा गूंज रहा है- 'ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वर्दी है।' यह नारा अब वहां के लोगों की एकजुटता और सेना के खिलाफ उनके गुस्से का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है।

इबोला से बचाव के लिए युगांडा ने उठाए सख्त कदम, सीमावर्ती इलाकों में अलर्ट

कंपाला (ए.)। इबोला संक्रमण के प्रसार की आशंका के चलते युगांडा ने अतिरिक्त एहतियाती कदमों की घोषणा की है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ सार्वजनिक आयोजनों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं।बुधवार को राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद स्वास्थ्य मंत्री क्रिस बार्योमुंसी ने बताया कि वर्तमान इबोला प्रकोप के केंद्र डीआरसी से लगने वाले सभी जिलों को विशेष रोकथाम दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने शादी समारोहों, बाजार दिवसों और अन्य बड़े सार्वजनिक आयोजनों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। वहीं स्कूलों को स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले पांच दिनों में युगांडा में इबोला का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। अब तक देश में कुल 19 पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो लोगों की मौत हो चुकी है।मंत्रालय की स्थायी सचिव डियाना एटवाइन ने बताया कि हालिया अध्ययन से संकेत मिले हैं कि लक्षण दिखाई देने के बाद इबोला वायरस रक्त की तुलना में लार, उल्टी और मल में अधिक मात्रा में पाया जाता है।

फीचर

आयरन तवे का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है खाने का स्वाद

आयरन तवा एक खास रसोई का सामान है, जिसका सही इस्तेमाल करना जरूरी है। अक्सर लोग इसे इस्तेमाल करते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जो उनके खाने के स्वाद और सेहत पर असर डाल सकती हैं। इस लेख में हम ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें सुधारकर आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं और अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्म तवे पर सीधे तेल न डालें

आयरन तवे पर सीधे तेल डालना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे तवे पर खाना बनाते समय तेल जल्दी जल जाता है और खाने का स्वाद बिगड़ जाता है। इसके बजाय पहले तवे को अच्छी तरह गर्म करें और फिर उसमें थोड़ा-सा तेल डालें। इससे खाना अच्छे से पकेगा और उसका स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इस तरीके से आप अपने खाने का अनुभव सुधार सकते हैं।

डिटर्जेंट का उपयोग न करें

आयरन तवे की सफाई करते समय डिटर्जेंट का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे की सतह खराब हो सकती है और खाने का स्वाद भी बिगड़ सकता है। तवे को साफ करने के लिए हमेशा गर्म पानी और हल्के साबुन का इस्तेमाल करें। अगर तवे पर जिद्दी दाग लगे हों तो उसे नरम कपड़े से रगड़ें और सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे तवे की सतह सुरक्षित रहती है और खाने का स्वाद भी बेहतरीन बना रहता है।

तुरंत पानी डालने से बचें

कुछ लोग तवे पर खाना बनाने के बाद तुरंत उसे ठंडा करने के लिए उस पर पानी डाल देते हैं, जो कि सही नहीं है। ऐसा करने से तवे जल्दी खराब हो सकता है और उसमें जंग लग सकता है। सही तरीका यह है कि तवे को पहले हल्का ठंडा होने दें और फिर उसे साफ करें। इस तरीके से तवे की उम्र बढ़ती है और आपके खाने का अनुभव बेहतर बना रहता है।

तेज आंच पर न पकाएं

आयरन तवे पर खाना बनाते समय तेज आंच का इस्तेमाल करने से बचें क्योंकि इससे खाना जल सकता है और उसका स्वाद बिगड़ जाता है। हमेशा मध्यम आंच पर ही खाना पकाएं ताकि वह अच्छे से पके और स्वादिष्ट बने। इससे न केवल आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि तवे की उम्र भी बढ़ेगी और उसमें जंग लगने की संभावना कम होगी। इस तरीके से आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं।

धातु की चम्मच का उपयोग न करें

आयरन तवे पर खाना बनाते समय धातु की चम्मच का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे पर खरोंचें पड़ सकती हैं और उसकी सतह खराब हो सकती है। इसके बजाय लकड़ी या सिलिकॉन की चम्मच का इस्तेमाल करें, जो तवे को सुरक्षित रखेंगी। इन सरल सुझावों को अपनाकर आप अपने आयरन तवे का सही तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने खाने के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।

कैटरीना कैफ फिल्मों में वापसी के लिए कस रहीं कमर, स्क्रिप्ट की तलाश में जुटीं

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को आखिरी बार फिल्म मेरी क्रिसमस (2024) में देखा गया था। नवंबर, 2025 में उन्होंने अपने पति विक्की कौशल के साथ बेटे विहान का स्वागत किया, जिसके बाद से अभिनेत्री अभिनय की दुनिया से दूर हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कैटरीना अब कामकाजी दुनिया में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कुछ नई फिल्मों और स्क्रिप्ट को पढ़ना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना ने ओटीटी परियोजनाओं के लिए नई कहानियों को पढ़ना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, हाल ही में मां बनने के बाद कैटरीना कैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ना फिर से शुरू कर दिया है। 2027 के उत्तरार्ध तक किसी फिल्म सेट पर वापसी करने की योजना बना रही हैं और एक ऐसी सही पटकथा की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हैं जो उनके समय के लायक हो।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना किसी भी परियोजना में जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं और स्क्रिप्ट को ध्यान से पढ़ रही हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो उन्हें ओटीटी पर डेब्यू करते हुए देखा जा सकेगा। जाहिर है कि आजकल शाहिद कपूर, मनोज बाजपेयी और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सितारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं। कैटरीना भी ओटीटी पर आने की योजना बन रही हैं। अब देखना होगा कि अभिनेत्री की नई परियोजना का ऐलान कब तक होगा।

संयुक्ता हेगड़े के इस अंदाज को देखकर विक्रम हुए खुश, सीधे दे दी ये फिल्म

अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े अब तमिल फिल्म चियान 63 का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में राष्टीय पुरस्कार विजेता विक्रम मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आनंद शंकर कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि संयुक्ता को यह किरदार निर्माताओं ने तब दिया, जब उन्होंने उन्हें साड़ी पहनकर पुश-अप्स करते देखा। इस फिल्म के जरिए रिया शिबू भी तमिल इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं।

संयुक्ता ने विक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद विनम्र स्वभाव के हैं। उन्होंने बताया कि विक्रम अपनी शूटिंग न होने पर भी अक्सर सेट पर आते थे।

संयुक्ता के मुताबिक, पर्दे पर उनका किरदार उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री को उनके भरपूर समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया।

इस फिल्म की शूटिंग 7 जून, 2026 को शुरू हो चुकी है। यह फिल्म विक्रम की पिछले साल आई वीरा धीरा सूरन- पार्ट 2 के बाद बड़े पर्दे पर उनकी वापसी है।

गर्भावस्था के दौरान योग अपनाने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

गर्भावस्था के दौरान योग करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प हो सकता है। यह न केवल मां के लिए बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी फायदेमंद है। योग से मां को शारीरिक और मानसिक आराम मिलता है और शिशु का विकास भी सही तरीके से होता है। इस लेख में हम आपको गर्भावस्था के दौरान योग करने के 5 मुख्य फायदे बताएंगे, जिनसे आपकी गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

बढ़ सकती है शारीरिक सक्रियता

गर्भावस्था के दौरान योग करने से मां की शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। यह न केवल वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है, बल्कि शरीर में लचीलापन भी लाता है। नियमित योग करने से पीठ दर्द, पैरों में सूजन और अन्य शारीरिक समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा योग से मां के शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, जिससे बच्चे के जन्म के समय सहूलियत होती है।

मिल सकती है मानसिक शांति

गर्भावस्था के दौरान मानसिक तनाव सामान्य है, लेकिन योग करने से मानसिक शांति मिलती है। योगाभ्यास जैसे सांस लेने के अभ्यास और ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है। इससे मां को बेहतर नींद भी मिलती है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नियमित ध्यान और सांस के अभ्यास से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और

सकारात्मक सोच विकसित होती है, जिससे गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

सांस लेने की तकनीक में हो सकता है सुधार

योग करने से सांस लेने की तकनीक में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए सही तरीके से सांस लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और थकान कम होती है। सांस के अभ्यास जैसे अनुलोम-विलोम आदि से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। सही तरीके से सांस लेने से मां और शिशु दोनों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

पाचन में हो सकता है सुधार

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कब्ज, गैस आदि। योग करने से पाचन में सुधार होता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। हल्के-फुल्के योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन आदि पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा योग से पेट की चर्बी भी कम होती है, जिससे पाचन और भी मजबूत होता है।

प्रसव पूर्व तैयारी होती है बेहतर

योग करने से प्रसव पूर्व तैयारी बेहतर होती है। इससे मां की मानसिक स्थिति मजबूत होती है और वह बच्चे के जन्म के समय अधिक तैयार महसूस करती है। योगाभ्यास से मां के शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे बच्चे का जन्म आसान होता है। इसके अलावा योग से मां का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वह प्रसव के दौरान कम डरती है और अधिक सकारात्मक महसूस करती है।

दंतेवाड़ा में एचपीसीएल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित

दंतेवाड़(ए.)। जिले के आम नागरिकों, किसानों, परिवहन संचालकों और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। एचपीसीएल के कुछ पेट्रोल पंपों में तकनीकी कारणों से ईंधन सप्लाई अस्थाई रूप से बाधित हुई है। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने आज गुरूवार को सूचित किया है कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के मुख्य आपूर्ति केंद्र से तकनीकी कारणों के चलते जिले के कुछ पेट्रोल और डीजल पंपों में ईंधन की सप्लाई अस्थायी रूप से बाधित हो गई है। प्रभावित होने वाले पंपों में मुख्य रूप से गीदम का दंतेश्वरी सर्विस सेंटर, बचेली का स्टार पेट्रोल पंप, दंतेवाड़ा के एस.आर. फ्यूल व जोगीसोरी फ्यूल, नकुलनार का भदावर फ्यूल, बारसूर का साई राम पेट्रोलियम, जमावड़ा का गजलू गुरुजी पेट्रोलियम तथा कटेकल्याण का युगांत फ्यूल शामिल हैं। कंपनी द्वारा आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र सामान्य करने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं तथा यथाशीघ्र पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की कार्रवाई जारी है।

मिक्सर मशीन को लेकर विवाद, दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

पुलिस ने 5 लोगों पर की बाउंड ओवर कार्रवाई

जांजगीर-चांपा, (आरएनएस)। अकलतरा थाना क्षेत्र के कोटमीसोनार पुलिस सहायता केंद्र अंतर्गत ग्राम पिपरसत्ती में छत ढलाई के लिए मिक्सर मशीन ले जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और लाठी-डंडे चलने से कई लोग घायल हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार ग्राम पिपरसत्ती निवासी कन्हैयालाल पुरहोले (41 वर्ष) और सुरेंद्र कुमार (33 वर्ष) के बीच छत ढलाई के लिए मिक्सर मशीन ले जाने की बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ते-बढ़ते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आई।बताया गया कि इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर पहले भी थाना अकलतरा में अपराध दर्ज किया जा चुका था। पुलिस ने पूर्व में दोनों पक्षों को समझाइश देकर तहसील न्यायालय के माध्यम से प्रतिबंधित भी कराया था, लेकिन इसके बावजूद विवाद दोबारा भड़क गया।

9 जून को पुनः विवाद की सूचना मिलने पर कोटमीसोनार पुलिस सहायता केंद्र ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच लोगों के विरुद्ध धारा 170/126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर उन्हें तहसील न्यायालय अकलतरा में पेश किया। न्यायालय ने सभी को अधिकतम राशि पर बाउंड ओवर करते हुए भविष्य में शांति भंग नहीं करने के निर्देश दिए।

सेन्ट्रल जीएसटी टीम की बड़ी कार्रवाईः कारोबारी जयदीप सिंह चंदेल गिरफ्तार

-17 करोड़ से ज्यादा के फर्जी आईटीसी का आरोप

रायपुर, (आरएनएस)। सेंट्रल जीएसटी की टीम ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। जीएसटी फर्जीवाड़े के एक बड़े मामले में सेंट्रल जीएसटी ने मध्यप्रदेश के कारोबारी जयदीप सिंह चंदेल को गिरफ्तार किया है। आरोपी को रायपुर की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जांच एजेंसी के अनुसार, जयदीप सिंह चंदेल और उनकी कंपनी मेरिडियन स्टील्स एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड पर फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपये का अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने का आरोप है।सीजीजीएसटी को सूचना मिली थी कि कंपनी बिना वास्तविक माल की खरीद-बिक्री के फर्जी इनवॉइस के आधार पर टैक्स लाभ ले रही है। इसके बाद 28 नवंबर 2025 को कंपनी के ठिकानों पर सर्च और जांच की गई। जांच के दौरान कई दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए।विभाग का दावा है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी ने कथित रूप से फर्जी और अस्तित्वहीन फर्मों के बिलों के आधार पर करीब 15.14 करोड़ रुपये का अवैध आईटीसी लिया। इसके अलावा जीएसटी रिटर्न की जांच में लगभग 1.98 करोड़ रुपये के अतिरिक्त टैक्स लाभ का मामला भी सामने आया। इस तरह कुल 17.13 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी आईटीसी लेने का आरोप लगाया गया है।

जांच के दौरान जयदीप सिंह चंदेल का बयान भी दर्ज किया गया। दस्तावेजों के मुताबिक उन्होंने डीआरसी-03 के तहत 19.98 लाख रुपये जमा कराए हैं।सीजीजीएसटी का कहना है कि जिन कंपनियों के माध्यम से टैक्स क्रेडिट लिया गया, उनमें से कई के जीएसटी पंजीकरण पहले ही रद्द किए जा चुके थे। विभाग इसे फर्जी बिलिंग और कर चोरी का संगठित मामला मान रहा है।

चार आईएफएस अधिकारियों को दी गई नई जिम्मेदारी

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वरिष्ठ स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चार भारतीय वन सेवा अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। जारी आदेश के अनुसार प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं मूल्यांकन) कौशलेन्द्र कुमार को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

ओपी यादव को प्रभारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव प्रबंधन एवं जैव विविधता संरक्षण) तथा सह-मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के पद पर पदस्थ किया गया है। वर्ष 2001 बैच की वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी शालिनी रैना को मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे वर्तमान में वन मुख्यालय में प्रशासन, समन्वय तथा राजपत्रित-अराजपत्रित कार्मिकों से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं।

इसके अलावा माधेश्वर डी. को प्रभारी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास एवं योजना, बजट, लेखा एवं लेखा परीक्षण) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वे वर्तमान में वन्यजीव प्रबंधन एवं योजना, राज्य जैव विविधता बोर्ड तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण से जुड़े विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता - गणेश शंकर मिश्रा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि राज्य के सामने वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में ग्रामीण युवाओं की बेरोजगारी, मोबाइल एडिक्शन, ड्रग्स की बढ़ती लत, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और बढ़ती आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल रोजगार सृजन और कौशल विकास के माध्यम से ही संभव है।

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग नवा रायपुर में में आयोजित एसएसएम पीआईयू एवं एम एंड ई यूनिट्स के इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि आज गांवों में बड़ी संख्या में ऐसे युवा हैं जो खेती-किसानी से जुड़ना नहीं चाहते, लेकिन उनके पास रोजगार के पर्याप्त अवसर भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार का लक्ष्य 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।उपाध्यक्ष श्री जी एस मिश्रा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की अब तक की सबसे बड़ी टीम छत्तीसगढ़ में कार्य कर रही है और अगले छह महीनों में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

मादक पदार्थों की बिक्री करने वाली मुस्कान हुई जिला बदर

– रायपुर कमिश्नरेट क्षेत्र के अलावा रायपुर ग्रामीण , दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद एवं बलौदाबाजार-भाटापारा से भी रहना होगा बाहर

रायपुर (ए.)। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मध्य जिला पुलिस द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं उपलब्ध

साक्ष्यों के आधार पर पुलिस कमिश्नर रायपुर द्वारा कुख्यात अपराधी मुस्कान रात्रे के विरुद्ध छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के अंतर्गत जिला बदर की कार्रवाई की गई है। मुस्कान रात्रे लंबे समय से अवैध गतिविधियों, विशेषकर नशीले पदार्थों एवं अवैध शराब के कारोबार, मारपीट, धमकी, हत्या के प्रयास, अवैध गांजा बिक्री तथा अन्य संगीन मामलों समेत कुल 20 से अधिक अपराधों में संलिप्त रही है। उसके विरुद्ध विभिन्न थानों में अनेक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। लगातार प्रतिबंधात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई किए जाने के बावजूद उसके आपराधिक आचरण में कोई सुधार नहीं आता नहीं दिख रहा था।

कागजों में खनन दिखाकर करोड़ों के घोटाले को अंजाम देने वाली आरती स्पंज की उच्च स्तरीय जांच हो : छविंद्र कर्मा

दंतेवाड़ा (ए.)। जिले के ग्राम आलनार स्थित लौह अयस्क खदान में फर्जी खनन के मामले में प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री छविंद्र कर्मा ने आज गुरूवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर आरती स्पंज कंपनी और खनिज विभाग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि मेसर्स आरती स्पंज एंड पावर लिमिटेड कंपनी पिछले कई वर्षों से केवल कागजों में खनन दिखाकर करोड़ों रुपये के घोटाले को अंजाम दे रही है। उन्होने कहा कि खनिज विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता के बगैर यह संभव नहीं है। छबिंद्र ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और कंपनी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री छविंद्र कर्मा ने कहा कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच कंपनी द्वारा लगभग 2.72 लाख टन लौह अयस्क उत्पादन का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जबकि मौके पर न तो कोई वास्तविक खनन गतिविधि दिखाई देती है, न मशीनें लगी हैं और न ही खदान क्षेत्र में किसी प्रकार की खुदाई के प्रमाण मौजूद हैं। इस जगह तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता भी नहीं है, जिससे लौह अयस्क का परिवहन हो सके।

10 लाख की लूट का खुलासा : 2 आरोपी गिरफ्तार, 7 लाख रुपये बरामद

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में सुपरवाइजर से दिनदहाड़े 10 लाख रुपये से अधिक की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में हुई इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने लूट में शामिल गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 7 लाख रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, प्रार्थी श्रवण साहू, जो एक निजी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है, 6 जून 2026 को कंपनी के निर्देश पर अग्रसेन चौक स्थित बालाजी रोलिंग मिल के कार्यालय से उधारी की रकम लेने गया था। वहां से 10 लाख 26 हजार 500 रुपये नकद लेकर वह डंगनिया बाजार स्थित ग्राहक के पास पहुंचा। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उसे धक्का देकर नकदी से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए।

खेल समाचार

हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से हो सकते हैं बाहर, जानिए कारण

नईदिल्ली, (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या पैर में मोच के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं। पांड्या 2 जून से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस पर काम कर रहे थे और पूरी तरह फिट थे। उन्हें 11 जून को धर्मशाला में भारतीय टीम से जुड़ना था, लेकिन आखिरी समय में लगी चोट के कारण वह कम से कम 2 सप्ताह और बेंगलुरु में रहेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, आखिरी समय में एक झटका लगा है। हार्दिक के पैर में हल्की मोच आई है, जिससे वहा दर्द महसूस कर रहे हैं। यह कोई लंबी अवधि की चोट नहीं है, लेकिन मेडिकल स्टाफ ने उन्हें अगले कुछ दिनों तक किसी भी तरह के दबाव या वजन डालने से बचने की सलाह दी है। वह बेंगलुरु में ही रहेंगे और सीओई के फिजियो तथा ट्रेनर्स के साथ लगातार संपर्क में रहेंगे।

32 साल के हार्दिक ने अब तक 94 वनडे मुकाबले खेले हैं। इसकी 68 पारियों में 10 बार नाबाद रहते हुए 32.82 की औसत से 1,904 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 110.89 की रही है। इस खिलाड़ी ने 11 अर्धशतक जड़े हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 92* रन रहा है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 88 पारियों में 35.50 की औसत से 91 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/24 का रहा है।

भारत के दौरे पर आने वाली अफगानिस्तान टीम 13 जून को धर्मशाला में पहले वनडे मैच के साथ सीरीज का आगाज करेगी। इसके बाद दूसरा वनडे मुकाबला 17 जून को लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी तरह तीसरा और आखिरी वनडे मैच 20 जून को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट मैच भी हुआ, जिसे भारतीय टीम ने पारी और 300 रन से अपने नाम किया था।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारत की वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल मैच के दौरान विराट कोहली को हैमस्ट्रिंग हुई थी। ऐसे में वह भी इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। जसप्रीत बुमराह भी इस सीरीज में नहीं खेलेंगे।

महिला टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम द्वारा बनाए गए सबसे बड़े टीम स्कोर

नईदिल्ली,(ए.)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से इंग्लैंड में होने जा रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम का आत्मविश्वास ऊंचा है और उससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। ऐसे में आइए महिला टी-20 विश्व कप के इतिहास में भारतीय टीम द्वारा बनाए गए सबसे बड़े टीम स्कोर पर एक नजर डाल लेते हैं।साल 2018 में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ भारत ने 194/5 का स्कोर बनाया था। यह इस टूर्नामेंट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। उस मैच में हरमनप्रीत कौर ने 51 गेंदों का सामना कर 103 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 7 चौके और 8 छक्के निकले थे। जेमिमा रोड्रिगेज ने 59 रन की पारी खेली थी। जवाब में न्यूजीलैंड 160/9 का स्कोर ही बना पाई थी। उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा था। भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 172/3 का है। उसने 2024 के टी-20 विश्व कप में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ये रन बनाए थे। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। हरमनप्रीत ने 27 गेंदों में 52 रन जड़ दिए थे। स्मृति मंधाना ने 38 गेंदों में 50 रन की पारी खेली थी। जवाब में श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में केवल 90 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

टी-20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो (ए.)। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तकः 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तकः 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)। 17वें से 32वें स्थान तकः 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तकः 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।

दिल्ली में जन्मे निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई T-20 टीम में शामिल किए गए; ट्रेविस हेड की जगह मिला मौका

सिडनी (ए)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए दिल्ली में जन्मे अनकैप्ड स्पिनर निखिल चौधरी को अपनी टीम में शामिल किया है। 30 साल के निखिल को ट्रेविस हेड के निजी कारणों से छुट्टियों पर जाने के बाद टीम में जगह दी गई है।होबार्ट हरिकेंस के इस ऑलराउंडर को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किए जाने के बाद, चौधरी 60 से ज्यादा वर्षों में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले इकलौते भारतीय मूल के खिलाड़ी बन सकते हैं।

इस दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले दिल्ली में जन्मे इस लेग-स्पिन ऑलराउंडर को मिडिल ऑर्डर में जगह बनाने के लिए जोएल डेविस और एरॉन हार्डी जैसे खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करनी होगी। ये दोनों खिलाड़ी फिलहाल सिर्फ टी20 टीम का हिस्सा हैं।आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा निखिल इन दिनों बेल्जियम में ईयूटी20 प्रतियोगिता में जेबी ब्रुग्स के लिए खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर टोनी डोडेमेड को भरोसा है कि अगर यह गेंदबाजी ऑलराउंडर प्लेइंग इलेवन में सिलेक्शन की रेस जीतने में सफल रहता है, तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।डोडेमेड ने कहा, निखिल कुछ समय से राष्ट्रीय हित के खिलाड़ी रहे हैं। वह इस टूर के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ी थे। वह ब्रिस्बेन में प्री-सीजन कैंप में स्क्वाड में शामिल हुए और ट्रेविस हेड की जगह आए हैं। पैनल उनके बिग बैश लीग की फॉर्म से बहुत प्रभावित हुआ है, खासकर पिछले सीजन में दमदार प्रदर्शन के बूते ही वह टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। वह इस साल के आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स सेटअप का भी हिस्सा रहे हैं।

शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में ये रिकॉर्ड्स कर सकते हैं अपने नाम

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में रिकॉर्ड जीत

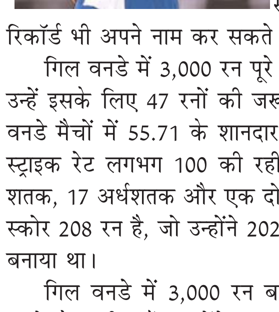

दर्ज करने के बाद अब वनडे सीरीज में कप्तानी करने को तैयार हैं। तीनों वनडे मैच धर्मशाला (13 जून), लखनऊ (17 जून) और चेन्नई (20 जून) में खेले जाएंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम 2027 वनडे विश्व कप से पहले सही संतुलन बनाने की कोशिश करेगी। इस सीरीज में गिल व्यक्तिगत तौर पर कुछ रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते हैं।

गिल वनडे में 3,000 रन पूरे करने वाले 21वें भारतीय बन सकते हैं। उन्हें इसके लिए 47 रनों की जरूरत है। अब तक भारतीय कप्तान ने 61 वनडे मैचों में 55.71 के शानदार औसत से 2,953 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट लगभग 100 की रही है। अपने शानदार करियर में गिल 8 शतक, 17 अर्धशतक और एक दोहरा शतक लगा चुके हैं। उनका उच्चतम स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था।

गिल वनडे में 3,000 रन बनाने वाले सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी बनने के करीब हैं। उन्होंने अब तक 61 पारियां खेली हैं। शिखर धवन (72 पारी) के नाम भारत के लिए यह रिकॉर्ड है। गिल यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी भी बन सकते हैं।

लिविंगस्टोन अब लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे

लंदन (ए.)। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन अब द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे। आईपीएल 2025 की विजेता टीम के सदस्य रहे लिविंगस्टोन का लक्ष्य ऐसे में लॉर्ड्स में अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। लिविंगस्टोन अभी अच्छे फॉर्म में हैं और इसी कारण से उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी है। इसकी घोषणा लंदन स्पिरिट ने एक विशेष वीडियो के जरिये की है। लिविंगस्टोन ने कहा, मैं इस गर्मी में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करने को लेकर बेहद से उत्साहित हूं। लॉर्ड्स सिर्फ एक मैदान नहीं, बल्कि क्रिकेट का एक पवित्र स्थल है जहां यहां आने वाले दर्शक हर मैच को यादगार बना देते हैं। हमारी टीम में असाधारण प्रतिभा है, और मेरा लक्ष्य इस सीजन में इतिहास रचना है। इससे साफ है कि झलकता है कि वह इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं और टीम को प्रेरित करने के लिए उत्सुक हैं।

लंदन स्पिरिट के इतिहास में लिविंगस्टोन चौथे ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन्हें यह महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी गई है। उनसे पहले इयोन मॉर्गन, डेनियल लॉरेंस और केन विलियमसन जैसे दिग्गज इस टीम की कप्तानी संभाल चुके हैं। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने भी लिविंगस्टोन पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया।

फ्लावर ने कहा, लियाम मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक शानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। मैं उन्हें इंग्लैंड लायंस के दिनों से जानता हूं और उन्हें लंदन स्पिरिट से जोड़ना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक था। उनकी सफलता की भूख और लगातार खुद को बेहतर बनाने की चाहत हमारी टीम की संस्कृति के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। मुझे पूरा यकीन है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगे और टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।लिविंगस्टोन का मौजूदा फॉर्म उनकी नियुक्ति को और भी उचित ठहराता है। वह इस समय टी20 ब्लास्ट में असाधारण लय में हैं। हाल ही में उन्होंने लगातार दो मैचों में 80 से अधिक रन बनाए हैं।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले में 292 युवा लाभान्वित

24 कंपनियों एवं शासकीय विभागों ने लगाए स्टॉल, 243 युवाओं का प्राथमिक चयन

नर्मदापुरम (निप्र)। शासन की योजनांगर्त कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय द्वारा श्युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए गए।रोजगार मेले में पुणे महाराष्ट्र से 8 कंपनियों सहित मोहासा औद्योगिक क्षेत्र नर्मदापुरम इंदौर भोपाल बुधनी अब्दुल्लागंज एवं मंडीदीप की कुल 24 कंपनियों ने सहभागिता की। मेले में विभिन्न कंपनियों एवं शासकीय विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां युवाओं को रोजगार स्वरोजगार इंटर्नशिप एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव अपर कलेक्टर ब्रजेंद्र रावत जिला रोजगार अधिकारी श्याम धुर्वे शासकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नर्मदापुरम के प्राचार्य डॉ रामकुमार चौकसे एवं आईटीआई प्राचार्य मरकाम की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्रीमती नारोलिया ने युवाओं से कहा कि मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा आयोजित युवा संगम का उद्देश्य युवाओं को रोजगार स्वरोजगार एवं इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओंए बैंक ऋण स्टार्टअप एवं उद्यमिता के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना भी इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।अपर कलेक्टर ब्रजेंद्र रावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न कंपनियों द्वारा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं जिससे अधिक से अधिक युवा इस मेले का लाभ प्राप्त कर सकें। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से आयोजित इस मेले में विद्यार्थियों को सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर अवसरों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न कंपनियों एवं उद्योगों के माध्यम से विद्यार्थियों के प्लेसमेंट की व्यवस्था की गई। विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत संचालित इंटर्नशिप कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई।प्लेसमेंट ऑफिसर धर्मेश तिवारी ने बताया कि जिन युवाओं का चयन कंपनियों द्वारा किया जाएगा उन्हें व्यक्तिगत रूप से कॉल कर सूचना दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न कंपनियों को एक मंच पर आमंत्रित कर मेले को सफल बनाने में सभी विभागों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की जिला नोडल अधिकारी डॉ संगीता अहिरवार ने बताया कि जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के युवा इस रोजगार मेले में शामिल हुए जहां उन्हें सीधे रोजगार एवं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु मार्गदर्शन प्राप्त हुआ महाविद्यालय की ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ रागिनी सिकरवार ने जानकारी दी कि मेले में लगभग 300 से अधिक पंजीयन किए गए। छात्राओं को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत संचालित कंपनियों एवं पोर्टल पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन अंतर्गत एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन (HEW) के अंतर्गत गुरूवार को संभागीय मुख्यालय पर साई कृष्णा हिल व्यू रिसोर्ट नर्मदापुरम में एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संभागीय संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास, श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने की।

कार्यशाला में संभाग के सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा जिला/परियोजना समन्वयक (पोषण अभियान) को विकसित भारत@ 2047, MMBASK प्रोग्राम, NFHS एवं PT डेटा विश्लेषण, सक्षम आंगनवाड़ी, ECCE गतिविधियां, पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, मिशन शक्ति, पोषण संबंधी घटक, वन स्टॉप सेंटर और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन को लेकर भी गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिलों बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम के प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से बदली भागवती दीदी की तकदीर

स्व-सहायता समूह से जुड़कर बनीं आत्मनिर्भर, सीएससी सेंटर से कमा रहीं सम्मान और नियमित आय

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत ग्राम पंचायत रायपुर निवासी श्रीमती भागवती अहिरवार आज क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि समाज में एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला के रूप में अपनी नई पहचान भी स्थापित की है। श्रीमती भागवती अहिरवार 'नव तुलसी आजीविका स्व-सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा था। वर्ष 2019 में उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की सदस्यता ग्रहण की, जिसके बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई।समूह से जुड़ने के बाद भागवती दीदी ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्होंने जनपद पंचायत नर्मदापुरम में कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) की ट्रेनिंग प्राप्त की। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्होंने अपना स्वयं का सीएससी सेंटर प्रारंभ किया, जहां वे ग्रामीणों को विभिन्न डिजिटल एवं शासकीय सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं।

श्रीमद् भागवत कथा में हुआ महारास, भाव विभोर हुए भक्त, तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा पंडाल

नर्मदापुरम (निप्र)। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सिवनी नाका ग्वालटोली के शंकर मंदिर में किया जा रहा है। कथा के षष्टम दिवस भगवान श्री कृष्ण की कथा का वर्णन पंडित स्पर्श तिवारी ने किया। कथा व्यास पं स्पर्श तिवारी ने महारास, कंसवध एवं रुक्मणी विवाह का वर्णन किया । समिति के कमल राव चव्हाण ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चल रही है। गुरुवार को कथा में राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नपा अध्यक्ष श्रीमति नीतू महेंद्र यादव,सुचित्रा यादव,रजनी यादव, नरेन्द्र पटेल,किशन यादव,संजीव मालवीय,अर्जुन मालवीय,संतोष मीना सहित अनेक विशिष्ट धन शामिल हुए। कथा व्यास पंडित तिवारी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने महारास में प्रेम का संदेश दिया। इस मौके पर श्रद्धालु नृत्य कर झूम उठे।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने किया केसला कार्यालय एवं स्कूल का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विकासखंड केसला अंतर्गत कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी केसला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। तत्पश्चात शासकीय एकीकृत हाईस्कूल झुनकर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संजय त्रिवेदी, उच्च पद प्रभारी माध्यमिक शिक्षक उपस्थित पाए गए, जबकि प्राचार्य सहित शेष समस्त स्टॉफ अनुपस्थित मिला। अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। निरीक्षण के दौरान ग्राम झुनकर में सामुदायिक वन अधिकार (CFRA) के अंतर्गत वनाधिकार दावों के संबंध में चर्चा की गई तथा ग्राम सभा की गतिविधियों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी भी प्राप्त की गई। इसके पश्चात ग्राम चाटुआ स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में शिक्षकों की आवश्यकता महसूस की गई। इस संबंध में जिला स्तर से तत्काल शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया गया। सहायक आयुक्त द्वारा विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सतत निगरानी के निर्देश भी दिए गए।

जिला स्तरीय गबन एवं धोखाधड़ी की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र) । कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गबन एवं धोखाधड़ी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला सहकारिता विभाग के तत्वाधान में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने गबन व धोखाधड़ी में लिप्त कर्मचारियों के विरुध कार्रवाई करने के निर्देश दिए, साथ ही संज्ञान में आए ऐसे 04 प्रकरण जिनमें पुलिस को दस्तावेजों के अभाव में कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने में कठिनाई हो रही थी उस स्थिति में कलेक्टर श्री मिश्रा ने उपायुक्त सहकारिता को निर्देश दिए कि वह 07 दिवस में बैंक को वाछित दस्तावेज तत्काल उपलब्ध कराए ताकि उक्त कर्मचारीयो के विरुध एफ आईआर दर्ज की जा सके। बैठक में गत बैठक के पालन प्रतिवेदन का भी अनुमोदन किया गया।

सुगम खाद आपूर्ति के लिए सहकारी समितियों में लगेंगे विशेष शिविर

नर्मदापुरम (निप्र) । कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक उपलब्ध करवाने एवं किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक अनुविभाग स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। यह कार्यवाही पंचायत, कृषि, राजस्व एवं सहकारिता विभाग के समन्वित सहयोग से संचालित की जाएगी। जिले की सहकारी समितियों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं से जोड़ा जाएगा। शिविरों में किसानों को एग्रिस्टेक पोर्टल से जोड़ने, फार्मर आईडी तैयार कराने तथा ई-विकास पोर्टल पर उर्वरक प्राप्ति हेतु टोकन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण कार्यवाहियां की जाएंगी, जिससे किसानों को खाद की उपलब्धता एवं प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया में सुविधा मिल सके।

जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने किया 'सुजल अभियान' नवाचार का शुभारंभ

जिले में सभी स्थानों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: कलेक्टर सोमेश मिश्रा

वर्षा ऋतु में पेयजल स्त्रोतों के क्लोरिफिकेशन के लिए चलेगा विशेष अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप और उनके निर्देशों के परिपालन में, नर्मदापुरम जिले के नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अनूठी पहल की गई है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में जिले में सुजल अभियान नवाचार का शुभारंभ गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष से किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आगामी वर्षा काल के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना और जल जनित बीमारियों पर प्रभावी रोक लगाना है। शुभारंभ अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, पीएचई के कार्यपालन यंत्री (ईई) मुजीब उल हसन सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि वर्षा ऋतु की पहली बारिश के दौरान अक्सर गंदा पानी हैंडपंपों और अन्य पारंपरिक पेयजल स्त्रोतों में समा जाता है।

सुजल अभियान के तहत इन सभी स्त्रोतों को साफ और स्वच्छ किया जाएगा। जिले में पानी की शुद्धता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सभी पेयजल स्त्रोतों का नियमित क्लोरिनेशन किया जाएगा, ताकि हर परिवार तक सुरक्षित पानी पहुंच सके और नागरिकों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि वर्षा काल में कठिन और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों एवं बसाहटों का अग्रिम चिन्हांकन कर वहां की वर्तमान स्थिति के अनुसार स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बताया गया कि चार विभागों के समन्वय से जमीनी स्तर पर कार्य किए जायेंगे। सुजल अभियान नवाचार के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE), जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। अभियान अवधि के दौरान पीएचई विभाग के हैंडपंप तकनीशियनों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के हैंडपंपों और अन्य जल स्त्रोतों का सघन निरीक्षण व आवश्यक मरम्मत की जाएगी। इसके अतिरिक्त आवश्यकताानुसार हैंडपंपों का क्लोरिनेशन किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित हैंडपंप पर क्लोरिनेशन की दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित की जाएगी। साथ ही जल स्त्रोतों के आसपास सफाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

आज प्रदेश और देश की टाकिज में देखी जा सकेगी द नर्मदा स्टोरी

सच घटनाओं पर आधारित है 'द-नर्मदा स्टोरी' फिल्म- शरद सिंह, परेश मसीह

पत्रकार द्वय शरद सिंह और परेश मसीह ने फिल्मी जगत में नर्मचांल का नाम रौशन किया है-बलराम शर्मा

नर्मदापुरम (निप्र)। द नर्मदा स्टोरी फिल्म आज प्रदेश सहित देश की टाकिजों में देखी जा सकेगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले नर्मदापुरम निवासी सिले कलाकार शरद सिंह व परेश मशीह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह.थ्रिलर फिल्म है जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म की कहानी नर्मदा क्षेत्र में होने वाली कुछ रहस्यमयी घटनाओं और उनकी जांच के इद.गिर्द घूमती है। जैसे.जैसे जांच आगे बढ़ती है वैसे.वैसे नए राज सामने आते हैं और कहानी और दिलचस्प होती जाती है। फिल्म शुरुआत से ही सस्पेंस का माहौल बनाती है और आखिर तक दर्शकों की उत्सुकता बनाए रखती है। फिल्म में जो प्रमुख कलाकार हैं उनमें शरद सिंह के साथ ही रघुबीर यादव, मुकेश तिवारी और सिमाला प्रसाद स्टार अश्विनी कालसेकर, अंजलि पाटिल, जरीना वहाब, इश्तियाक खान, आलोक चटर्जी सदानंद पाटिल और हसन पीरजादा शामिल हैं। फिल्म में निर्देशक जैगम इमाम हैं। फिल्म की अवधि 2 घंटे 1 मिनिट है।उन्होंने बताया कि इस फिल्म की संपूर्ण शूटिंग नर्मदापुरम के वास्तविक और खूबसूरत घाटों व वादियों में की गई है और इसमें कई कलाकार भी इसी क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। द नर्मदा स्टोरी का मुख्य उद्देश्य न केवल एक बेहतरीन और झकझोर देने वाली कहानी दर्शकों तक पहुँचाना है, बल्कि नर्मदापुरम की छिपी हुई अभिनय प्रतिभाओं और यहाँ के विहंगम दृश्यों को बड़े पर्दे पर जीवंत करना भी है। नर्मदा नदी के परिवेश और यहाँ के सामाजिक ताने.बाने के इद.गिर्द बुनी गई इस कहानी को लेकर शहर के कला प्रेमियों और आम जनता में खासा उत्साह देखा जा रहा है, और निर्माताओं को उम्मीद है कि दर्शक अपने ही शहर के जाने.पहचाने चेहरों और घाटों को बड़े पर्दे पर देखकर गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस करेंगे। आज 12 जून से यह फिल्म सिनेमाघरों में फिल्म देखने का अवसर मिलेगा। स्थानीय लोकेशंस और रीयल इंसिडेंट्स पर आधारित यह फिल्म क्षेत्र के दर्शकों के लिए बेहद खास है, क्योंकि इसे इटारसी के मृत्युंजय सिनेमा और नर्मदापुरम के मीनाक्षी टॉकीज में प्रदर्शित किया जाएगा।

कैसी है फिल्म की कहानी

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले है निर्देशक जैगम इमाम ने बिना ज्यादा शोर.शराबे और बनावटी ड्रामे के सस्पेंस को धीरे.धीरे आगे बढ़ाया है कहानी हर कुछ मिनट में नया मोड़ लेती है जिससे दर्शक लगातार यह जानना चाहते हैं कि आखिर असली सच क्या है।

कलाकारों ने कैसा काम किया है

फिल्म में सभी कलाकार अपने किरदारों में फिट बैठते हैं लेकिन सिमाला प्रसाद एक पुलिस अधिकारी के रोल में खास तौर पर प्रभावित करती हैं। वहीं इश्तियाक खान का किरदार फिल्म के सबसे यादगार किरदारों में से एक बनकर उभरता है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक इसकी कहानी को और प्रभावशाली बनाते हैं नर्मदा क्षेत्र की असली लोकेशंस फिल्म को वास्तविकता के करीब ले जाती हैं। एडिटिंग भी सधी हुई है, जिसकी वजह से फिल्म कहीं भी खिंची हुई महसूस नहीं होती।

पत्रकारिता के साथ कला जगत में भी नर्मदांचल के जलवे

पत्रकार वार्ता से पूर्व वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा से शरद सिंह ने अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया बलराम शर्मा ने कहा कि शरद सिंह और परेश मसीह ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए फिल्मी जगत में भी नर्मचांल का नाम रौशन किया है। निरंतर कला जगत में भी नर्मदापुरम के जलवे बढ़ते जा रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव का विषय है। फिल्म में बॉलीवुड के कई दिग्गज और मंझे हुए कलाकारों के साथ.साथ असली प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय कलाकारों का एक बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा। मध्य प्रदेश कैडर की आईपीएस अधिकारी सिमाला प्रसाद ने इसमें सब.इंस्पेक्टर नर्मदा रायकवार, का मुख्य और बेहद दमदार किरदार निभाया है। उनके साथ दिग्गज अभिनेता रघुवीर यादव नंदकिशोर रायकवार की सशक्त भूमिका में हैं, जबकि अश्विनी कालसेकर अग्नि धुर्वे नामक एक आदिवासी महिला का मुख्य किरदार निभा रही हैं। जो अपनी बेटी को बचाने के लिए पूरी व्यवस्था से संघर्ष करती है। नर्मदापुरम के ही अभिनेता शरद सिंह फिल्म में लापता पुलिस इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम भदौरिया का एक सस्पेंसपूर्ण मुख्य किरदार निभा रहे हैं। वहीं अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर मुकेश तिवारी श्राम रतन शुक्ला के अहम और नकारात्मक किरदार में दर्शकों को रोमांचित करेंगे। फिल्म में एक बेहद चुनौतीपूर्ण प्रयोग भी है, जहाँ अभिनेता इश्तियाक खान ट्रांसजेंडर विलेन के रूप में पर्दे पर नजर आएंगे जबकि दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब सुधा रायकवार के किरदार में और अंजलि पाटिल गुलाब सिंह की प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देंगी। अभिनेता सदानंद पाटिल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बराखड़ कला में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम, हरित ग्राम का लिया संकल्प

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सिवनी मालवा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बराखड़ कला में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में खण्ड पंचायत अधिकारी पीसीओ, बीसी (आरजीएसए), ऑपरेटर, सरपंच, सचिव, जीआरएस सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। वृक्ष न केवल स्वच्छ वायु देते हैं बल्कि जल संरक्षण और जैव विविधता को भी बनाए रखते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी लें। कार्यक्रम के माध्यम से "हरित एवं स्वच्छ ग्राम" के निर्माण का संदेश दिया गया।

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम

विज्ञप्ति

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल का पत्र क्र./राशिके/एस.जी.यू./2017/5881/दिनांक 11.08.2017 पत्र क्र./1848/दिनांक 31.03.2018 एवं पत्र क्रमांक राशिके/ईएण्डआर/2018/2865/दिनांक 10.05.2018 एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्र./राशिके/ईएण्डआर/एम/2021/3163/भोपाल दिनांक 11.06.2021, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्र0/एसजीयू/2025/2084 भोपाल दिनांक 09/05/2025, दिनांक 16.03.2026 को आयोजित विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशानुसार कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका/बालक छात्रावास में वार्डन सहायक वार्डन के रिक्त पद एवं वार्डन को 03 वर्ष से अधिक अवधि होने के कारण वार्डन/सहायक वार्डन के चयन एवं प्रभार के संबंध में आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है।

क्र.	विकासखंड का नाम	छात्रावास/कस्तुरबा गांधी विद्यालय का नाम	छात्रावास क्षमता	वार्डन रिक्त पद	सहायक वार्डन रिक्त पद	जिनके द्वारा आवेदन किया जाना है। (वार्डन/सहायक वार्डन पद के प्रभार हेतु)	जिनके द्वारा आवेदन किया जाना है। (सहायक वार्डन पद के प्रभार हेतु)
1	सोहागपुर	के0जी0बी0व्ही0कामती रंगपुर	175 सीटर	1	1	केवल महिला उच्च श्रेणी शिक्षक,माध्यमिक शिक्षक, अध्यापक,सहायक शिक्षक, सहायक अध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक	केवल महिला सहायक शिक्षक, सहायक अध्यापक, प्राथमिक शिक्षक
2	बनखेडी	के0जी0बी0व्ही0 महुआखेडा	150 सीटर	1	0		
3	सि.मालवा	एन.एस.सी.बी.बालिका छात्रावास शिवपुर	100 सीटर	1	1		
4	पिपरिया	एन.एस.सी.बी.बालिका छात्रावास हथवास	100 सीटर	1	0		
5	बनखेडी	एन.एस.सी.बी.बालिका छात्रावास बनखेडी	50 सीटर	1	0		
6	केसला	एन.एस.सी.बी.बालिका छात्रावास सुखतवा	50 सीटर	0	1		
7	माखननगर	एन.एस.सी.बी.बालिका छात्रावास खारदा	50 सीटर	0	1		
8	पिपरयिा	बालक आवासीय छात्रावास पिपरिया	100 सीटर	0	1	केवल पुरूष सहायक शिक्षक, सहायक अध्यापक प्राथमिक शिक्षक	

उपरोक्त पदो हेतु दिनांक 25/06/2026 तक दोपहर 02:00 बजे तक जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम में आवेदक/आवेदिका अपने आवेदन जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम में अवकाश दिवस को छोडकर जमा कर सकते है।

विस्तृत विवरण एवं अन्य आवश्यक शर्ते तथा आवेदन का प्रारूप कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम के सूचना पटल पर एवं जिले के अधीन 07 जनपद शिक्षा केन्द्रो (नर्मदापुरम, माखननगर, सोहागपुर, पिपरिया, बनखेडी, केसला एवं सिवनी मालवा) में चस्पा है जिसे देखा जा सकता है तथा जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जी/14209/26

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com